हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–270 : जौनपुर, शुक्रवार 04 फरवरी 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी ने नामांकन से पहले गोरखनाथ मंदिर में किया रुद्राभिषेक : विश्व कल्याण के लिए मांगी मन्नतें

गोरखपुर ब्यूरो : गोरक्षनगरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नामांकन करने से पहले अपने आवास में ही रुद्राभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने देवाधिदेव भगवान शिव से संपूर्ण विश्व के कल्याण, उद्धार, समृद्धि एवं शांति के लिए प्रार्थना की। बता दें कि सुबह मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। आवास से निकलने के बाद सबसे पहले उन्होंने बाबा गोरखनाथ के दरबार में पहुंचकर विधि–विधान के साथ बाबा की पूजा–अर्चना की। उसके बाद मुख्यमंत्री अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर गए और उनका आशीर्वाद लिया। हमेशा की तरह उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण किया और व्यवस्था को लेकर जरूरी निर्देश दिए। आधा घंटा गोशाला में गायों के साथ गुजारने के बाद उन्होंने पालतू कुत्ते गुल्लू को बिस्किट खिलाने के साथ ही उसे दुलारा–पुचकारा। उसके बाद मुख्यमंत्री रुद्राभिषेक के लिए अपने आवास के शक्तिपीठ में पहुंचे। वहां आचार्यगण पहले से तैयारी के साथ बैठे थे। वह जनता दरबार में न जाकर सीधे ऊपर गए और कक्ष के पास स्थापित शक्ति पीठ पर लोक कल्याण के लिए रुद्राभिषेक किया। दुर्गा शक्ति पीठ के पास लोक कल्याण के लिए मुख्यमंत्री ने रुद्राभिषेक किया। मंदिर के 11 आचार्य अरविंद त्रिपाठी व आचार्य रामानुज के नेतृत्व में मंत्रोच्चार करने के लिए बैठे थे। मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक शुरू किया गया। रुद्राभिषेक के लिए दूध, आम्र रस, गन्ने का रस के अलावा अन्य कई फलों का रस रखा गया था। सुबह सात 7 बजे से 9 बजे तक रुद्राभिषेक किया गया। उसके बाद हवन किया गया। गोरखपुर–बस्ती मंडल की 41 विधानसभा सीटों की नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू होगी। 11 फरवरी तक नामांकन कराए जा सकेंगे। दोनों मंडल के चुनाव छठें चरण में तीन मार्च को होने हैं। 10 मार्च को नतीजे

घोषित किए जाएंगे। गोरखपुर–बस्ती मंडल में सबसे ज्यादा नौ सीटें गोरखपुर में हैं। नामांकन के पहले दिन ही शहर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी योगी आदित्यनाथ नामांकन कराएंगे। संतकबीरनगर नगर में विधानसभा की तीन, सिद्धार्थनगर में पांच, बस्ती में पांच, देवरिया में सात, कुशीनगर में सात और महराजगंज में पांच सीटें हैं। कई सीटों पर प्रत्याशी तय नहीं नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है, लेकिन गोरखपुर की कई सीटों के प्रत्याशियों के नाम का एलान नहीं हो सका है। भाजपा ने गोरखपुर ग्रामीण से प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। इसी तरह समाजवादी पार्टी ने गोरखपुर शहर और चौरीचौरा से प्रत्याशी के नाम का एलान नहीं किया है। कांग्रेस ने गोरखपुर शहर, सहजनवां, चिल्लूपार, कैंपियरगंज, गोरखपुर ग्रामीण, चौरीचौरा और बांसगांव के प्रत्याशी अभी तक तय नहीं किए हैं। बसपा ने नौ विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए हैं।

बनारस की आठों सीटों के लिए आज साफ हो सकती है तस्वीर : भाजपा में टिकट के दावेदारों की बढ़ी धड़कन

वाराणसी ब्यूरो : यूपी विधानसभा चुनाव के लिए छठवें चरण में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। सातवें चरण में होने वाले वाराणसी सहित आसपास के जिलों की विधानसभाओं के भाजपा के दावेदारों की धड़कनें बढ़ गई हैं। खबर है कि वाराणसी की सीटों पर मंथन के लिए शुक्रवार को दिल्ली में अहम बैठक होने वाली है। इस बैठक के बाद बनारस की आठों विधानसभा पर भाजपा की तस्वीर साफ हो सकती है। उधर, सपा गठबंधन, बसपा और कांग्रेस ने भी कई सीटों पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। 10 फरवरी से वाराणसी में नामांकन शुरू होना है, ऐसे में इससे पहले सभी दल प्रत्याशियों को मैदान में उतार देंगे। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने छह सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे और सेवापुरी विधानसभा अपना दल (एस) के खाते में गई थी। उस समय भाजपा के सहयोगी दल रहे सुभासपा के खाते में अजगरा (सु) सीट गई थी। इस बार समीकरण बदले हैं और सुभासपा अब सपा के साथ खड़ी है। वाराणसी की सभी सीटों पर पीएम मोदी लेंगे फैसला भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संसदीय सीट वाराणसी की सभी सीटों पर प्रधानमंत्री मोदी ही निर्णय करेंगे। वाराणसी में सहयोगी दल से सहमति के साथ प्रत्याशी चयन के लिए शुक्रवार को दिल्ली में मंथन प्रस्तावित है। दरअसल, वर्ष 2017 में वाराणसी की छह सीटों में शिवपुर से कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, उत्तरी से राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल, दक्षिणी से राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. नीलकंठ तिवारी, कैंट से सौरभ श्रीवास्तव, पिंडरा से डा. अवधेश सिंह और रोहनिया से सुरेंद्र नारायण सिंह विजयी हुए थे। इसके अलावा सेवापुरी से अपना दल एस के नील रतन पटेल और अजगरा से कैलाश सोनकर विधानसभा पहुंचे थे। फिलहाल सभी सीटों दावेदारों की लंबी सूची है। सभी को पार्टी की सूची का इंतजार है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

कल वाराणसी में कई मार्गों पर वाहनों की नो इंट्री : शहर में निकलने से पहले जान लें रूट डायवर्जन

वाराणसी ब्यूरो : वसंत पंचमी पर्व पर शनिवार को वाराणसी शहर में निकलने से पहले यातायात व्यवस्था जरूर जान लें। शहर के प्रमुख गंगा घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर डायवर्जन और पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है। साथ भारी वाहनों को शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। मैदागिन से गोदौलिया और लहुराबीर से गोदौलिया जाने वाले वाहनों को मैदागिन और बेनिया से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। वाहन टाउन हॉल और बेनिया पार्किंग में पार्क किए जाएंगे। वहीं लहुराबीर से मैदागिन जाने वाले अधिकारियों के वाहन कंपनी बाग व टाउन हाल में और बेनिया बाग की तरफ से जाने वाले अधिकारियों के वाहन सनातन धर्म इंटर कालेज में खड़े होंगे। रामापुरा चौराहा से आगे कोई वाहन नहीं जाएगा। लक्सा की तरफ से रामापुरा, गोदौलिया जाने वाले वाहनों को लक्सा थाने पर ही रोक दिया जाएगा। वाहनों को बेनियाबाग, गुरुबाग, कमच्छा मार्ग, बंगाली इंटर कॉलेज और रविंद्रपुरी कॉलोनी के पास खड़ा किया जाएगा। अस्सी सोनारपुरा से गोदौलिया और भेलूपुर से रेवड़ी तलाब वाहन नहीं जा सकेंगे। वहीं भदऊचुंगी से भैंसासुर घाट व राजघाट की तरफ किसी भी वाहन नहीं जाएंगे। गोलगड्डा तिराहे से

विशेश्वरगंज तिराहे की तरफ भी वाहन नहीं जाएंगे। इन वाहनों को प्रतिबंध से किया गया मुक्त शव वाहन, बीमार और विकलांग व्यक्तियों को प्रतिबंध से मुक्त रखा जाएगा। साथ ही एंबुलेंस व फायर बिग्रेड के वाहनों को प्रतिबंधों से मुक्त रखा जाएगा। वहीं सिगरा चौराहा से ट्रॉमा सेंटर की तरफ जाने वाले एंबुलेंस व मरीजों के वाहनों को रथयात्रा, गुरुबाग तिराहा होकर जाने व नीमामाई से रथयात्रा के तरफ वापस आने दिया जाएगा।

पूर्वांचल में पहली बार: वाराणसी के कैंसर अस्पताल में अब रेडियो न्यूक्लाइड थेरेपी से इलाज

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी स्थित महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र और होमी भाभा कैंसर अस्पताल में अब मरीजों का रेडियो न्यूक्लाइड थेरेपी से इलाज होगा। इसके शुरू होने से अब थायराइड कैंसर, न्यूरो इंडोक्राइन ट्यूमर, न्यूरो ब्लास्टोमा आदि कैंसर के इलाज में राहत होगी। मरीजों के इलाज के लिए दूसरे शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। विश्व कैंसर दिवस पर संस्थान की ओर

से इस विधि के बारे में मरीजों को जागरूक किया जा रहा है। लहरतारा और सुंदर बगिया स्थित कैंसर अस्पताल में वाराणसी के साथ ही पूर्वांचल के विभिन्न जिलों और बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड से भी बड़ी संख्या में मरीज आते हैं। डॉ. वरुण शुक्ला ने बताया कि रेडियो न्यूक्लाइड थेरेपी में रेडियो–आयोडिन , पीएसएमए , एमआईबीजी, डोटाटेट एवं समेरियम थेरेपी मुख्य रूप से शामिल हैं। रेडियो आयोडिन थेरेपी जहां थायराइड के कैंसर के इलाज के लिए खास है। वहीं, डोटाटेट न्यूरो इंडोक्राइन ट्यूमर, एमआईबीजी न्यूरो ब्लास्टोमा फीयोक्रोमोसाइटोम पैरागैंगलियोमा, जबकि समेरियम हड्डी से जुड़े कैंसर के इलाज में बेहद अहम है। निदेशक डॉ. सत्यजीत प्रधान ने बताया कि पूर्वांचल में इस तरह की थेरेपी करने वाला होमी भाभा कैंसर अस्पताल पहला संस्थान है। आने वाले दिनों में और भी नई सुविधाओं की शुरुआत की जाएगी। ब्लड इरेडिएशन की सुविधा भी शुरू कैंसर अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए ब्लड इरेडिएशन की सुविधा भी शुरू की गई है। अस्पताल के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. अक्षय बत्रा ने बताया कि बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन के लिए ब्लड इरेडिएटर बेहद महत्वपूर्ण है। इसके जरिए खून में पाए जाने वाले टी सेल्स को निष्क्रिय करने में मदद मिलती है, जिससे ट्रांसप्लांट के मरीजों में रक्त जनित बीमारियों के दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है।

गोरखपुर : विधानसभा चुनाव में लगाए जाएंगे साढ़े तीन हजार वाहन : वाहनों का अधिग्रहण शुरू

गोरखपुर ब्यूरो : विधानसभा चुनाव में जिले के छोटे–बड़े साढ़े तीन हजार वाहन लगाए जाएंगे। जिला और पुलिस प्रशासन से मिली सूची के आधार पर परिवहन विभाग और परिवहन निगम ने वाहनों का अधिग्रहण शुरू कर दिया है। आवश्यकता पड़ने पर देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज के लिए भी गोरखपुर से ही वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। दूसरे जिलों में वाहनों की संख्या कम पड़ रही है। जानकारी के मुताबिक, जिला प्रशासन ने 291 मिनी और 553 बड़ी बसों तथा लगभग 550 हल्के वाहनों की मांग की है। इसके अलावा 377 बसें, 277 ट्रक, 209 मध्यम श्रेणी के वाहन तथा 1344 हल्के वाहनों की मांग है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) श्याम लाल ने बताया कि पुलिस के सहयोग से वाहनों का अधिग्रहण शुरू हो गया है। स्कूल प्रबंधन के अलावा निजी बस और ट्रक मालिकों तथा ट्रांसपोर्ट एजेंसियों को नोटिस जारी कर दिया गया है। परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक एके मिश्रा ने बताया कि बसें तैयारी की जा रही है। 13 बसें भेज दी गई हैं। शुक्रवार को 55 बसें भेज दी जाएंगी। आवश्यकतानुसार तिथिवार बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

नकली वैक्सीन मामले में परत दर परत खुल रहे गिरोह के काले कारनामे

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी के लंका थाना क्षेत्र स्थित रोहित नगर स्थित मकान में नकली वैक्सीन, कोरोना किट बनाने के बाद उसे निजी लैब और अस्पताल में खपाया गया। नकली वैक्सीन की एक वायल को तैयार करने में 25 रुपये खर्च आता था, जबकि काला कारोबार करने वाले इसे 300 रुपये में बेचते थे। महज 40 रुपये के खर्च पर नकली कोरोना जांच किट तैयार कर उसे भी 500 रुपये में खपाया करते थे। इस तरह नकली माल को निजी अस्पताल, लैब में खपाकर वह मालामाल बन गए। एसटीएफ ने इस नकली वैक्सीन, कोरोना किट के जिस कारोबार का भंडाफोड़ किया है, वह इसलिए फल, फूल रहा था कि इसका वायल भी बिल्कुल वैसा ही लग रहा था जैसे कि सरकारी अस्पतालों में कोविशील्ड, कोवैक्सीन की दिख रही है। इसके साथ ही प्रेग्नेंसी किट को भी कोरोना जांच किट की तरह ही पैक किया गया था। इस वजह से ही टीका लगवाने वालों को भी इसकी कोई भनक नहीं लग पा रही थी। अब एसटीएफ इससे जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है, तो माना जा रहा है कि जल्द ही और कई चौंकाने वाले मामले सामने आ सकते हैं। माना यह जा रहा है कि पूछताछ में आरोपियों ने इस नकली माल को दिल्ली, हरियाणा सहित अन्य जगह पर खपाने की बात जरूर बताई है लेकिन एसटीएफ बनारस में भी इसकी आपूर्ति को लेकर पता लगा रही है। टीकाकरण केंद्रों पर बढ़ी सतर्कता, लोग खुद भी पूछ रहे सवाल नकली वैक्सीन, कोरोना किट बनाने के कारोबार के भंडाफोड़ के बाद अब टीकाकरण केंद्रों पर पहले की अपेक्षा अधिक सतर्कता बरती जा रही है। इधर घटना के बाद टीकाकरण केंद्र पर टीका लगवाने वाले भी खुद ही वैक्सीन और किट के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं। कोरोना टीकाकरण की अगर बात करें तो जिले में 18

साल से 60 साल और उससे ऊपर के आयु वालों को पहली डोज शत प्रतिशत लगाई जा चुकी है, जबकि दूसरी डोज का टीका लगाया जा रहा है। इसके साथ ही जिले में 85 प्रतिशत के ऊपर किशोरों को भी टीका लगाया जा चुका है। सीएमओ बोले– बैच नंबर की होती है ऑनलाइन निगरानी सीएमओ डॉ. संदीप चौधरी का कहना है कि सरकारी अस्पताल में जो वैक्सीन लोगों को लगाई जा रही है, उस पर निर्माता कंपनी की ओर से जो बैच नंबर डाला जाता है, उसका नंबर पोर्टल पर भी दर्ज रहता है, इसलिए इसकी ऑनलाइन निगरानी भी होती रहती है।

पुलिस की गोली से घायल 25 हजार का इनामिया गिरफ्तार : साथी फरार, दरोगा की बाल–बाल बची जान

जौनपुर ब्यूरो : जौनपुर में बदमाशों ने पुलिस टीम पर हमला किया लेकिन पुलिस की गोली ने उसका माकूल जवाब दिया। पुलिस की गोली से घायल एक बदमाश पकड़ा गया उसका साथी भाग निकला। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में शातिर अपराधी अबुल उर्फ आमिर के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे उपचार के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर किया गया है। गिरफ्त में आए अपराधी पर 25 हजार का इनाम घोषित था। बदमाश की ओर से की गई फायरिंग में थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर बाल–बाल बच गए। एक गोली उनकी बुलेट प्रूफ जैकेट में जा लगी। अगर उन्होंने जैकेट न पहनी होती तो जान खतरे में पड़ सकती थी। गौराबादशाहपुर और क्राइम ब्रांच की टीम गुरुवार रात दुधौरागांव के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान नहर के रास्ते बोलेरो आती दिखाई दी। नजदीक आने पर पुलिस ने टार्च की रोशनी देते हुए उसे रुकने का इशारा किया। लेकिन गाड़ी चालक उसमें बैठा एक और युवक खेत में भागने लगा। इस दौरान पुलिस ने बदमाशों को आत्मसमर्पण के लिए भी कहा, लेकिन उनमें से किसी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। एक गोली थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर के बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी। जबकि हेड कांस्टेबल विनोद यादव के बायें कंधे से

गोली छूते हुए निकल गई। जिससे वे घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली भाग रहे युवक के दाएं पैर में लगी। इससे वह घायल होकर गिर पड़ा। जबकि अंधेरे का लाभ उठाकर उसका साथी फरार हो गया। घायल बदमाश की पहचान अबुल उर्फ आमिर उर्फ करिया पुत्र कयूम उर्फ कईम निवासी बक्शापुर थाना बरदह जिला आजमगढ़ के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक तमंचा, दो कारतूस, एक मोबाइल 1320 रुपये और अमेठी जनपद से चोरी की गई बोलेरो बरामद हुआ। पुलिस ने उसे इलाज के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी भेजा है। थानाध्यक्ष के मुताबिक गिरफ्त मे आए बदमाश पर आजमगढ़ और जौनपुर के थानों में 17 मुकदमे दर्ज हैं।

शॉट सर्किट से रुद्रपुर की सब्जी मंडी में भीषण आग : सब्जी की 20 दुकानें राख

गोरखपुर ब्यूरो : देवरिया जिले में बृहस्पतिवार की आधी रात ओलावृष्टि के बीच रुद्रपुर की सब्जी मंडी में आग की कहर से कोहराम मच गया। शॉट सर्किट से लगी आग से सब्जियों की 20 दुकानें जल कर राख हो गई। इस दौरान सब्जी फरोसो के 13 इलेक्ट्रॉनिक कांटे और दुकान में रखी सब्जियां बर्बाद हो गई। आबादी के बीच स्थित सब्जी मंडी में आग की लपटें उठने से अफरा–तफरी मच गई। आग लगने से दुकानदारों ने 10 लाख का नुकसान बताया। नगर के बीचों बीच सब्जी मंडी में रात करीब एक बजे बिजली का तार जलने से आग लग गई। उसी समय ओलावृष्टि हो रही थी। हवा के तेज झोंके से आग पूरी मंडी में फैल गई। सब्जी मंडी से आग की लपटें उठने लगी। दुकानदार दुकानों को बंद कर घर पर सो रहे थे। मंडी के बगल के लोगों ने मिलकर आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन जब तक आग काबू में आए इससे पहले साकिर, दादी, नूरैन, शेरू सोनकर, रामप्रताप, झिनकू, गुल्लू, रसीद, बबलू, छेदी, मंगल, फैयाज, मुन्ताज, झम्मन, नूर मुहमद, लवकुश, अब्बास, अजीज और मन्नू की सब्जी की दुकान जलकर राख हो गई। दुकानदारों ने बताया कि आग लगने से करीब 10 लाख रुपया का नुकसान हुआ है। मंडी में सब्जी के थोक विक्रेताओं की दुकान है। दुकानों में आलू,प्याज, लहसुन और मटर की बोरिया रखी थी। सब जलकर नष्ट हो गया। 13 दुकानदारों का एक लाख रुपये का इलेक्ट्रॉनिक कांटा जल गया। दुकानदारों ने प्रशासन से सहायता की मांग की। इस बाबत एसडीएम संजीव कुमार उपाध्याय ने कहा कि लेखपाल से क्षति का जायजा लेकर रिपोर्ट मांगी गई है। नियमानुसार कार्रवाई होगी।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

बड़े भाग्यशाली होते हैं वो लोग जिनके पास सादगी, धैर्य और दया तीनों गुण होते हैं।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

'मार्कंडेय भवन' और क्रांतिकारी राजकुमार सिन्हा

कानपुर के माल रोड पर 'मार्कंडेय भवन' की इमारत को खोजना अब कठिन कवायद है। वे निशानात भी पूरी तरह धुंधला गए हैं, जिनके जरिये जाना जा सके कि बाबू मार्कंडेय दास के उस मकान का क्या हुआ, जिसमें उनकी पत्नी शरत कुमारी सिन्हा अपने विप्लवी हौसले से दोनों बेटों को मुक्ति–संग्राम का बड़ा योद्धा बना सकीं। कानपुर इस वीर मां को भी विस्मृत कर चुका है और उन बेटों को भी, जिन्होंने अपने रक्त से क्रांति की इबारत लिखकर इस शहर को इतिहास में जगह दी। इस मां के बेटे राजकुमार सिन्हा को काकोरी मामले में दस साल की सजा हुई थी और छोटे विजय कुमार सिन्हा को भी भगत सिंह वाले मुकदमे में काला पानी का हुक्म सुनाया जा चुका था। दोनों भाई अपनी–अपनी जेलों में भूख हड़ताल पर थे। यह जानकर एक युवा शिवकुमार मिश्र इस मां के पास पहुंचकर रोने लगे। मां ने डांटते हुए कहा, 'कैसा क्रांतिकारी है, जो रोता है? मेरी ओर देख। मैं दो बाघों की मां हूं। मेरे बेटे जेल में अनशन पर हैं। फिर भी मैं खुश हूं।' कभी देश के विप्लवियों का केंद्र और आश्रयस्थल रहे इस घर की, जो अब दफन हो चुका है, मिट्टी को स्पर्श करना मेरी ख्वाहिश था।

राजू दा की बहन सुशीला घोष की क्रांतिकारी संग्राम में भागीदारी को भी आज कौन जानता है! लाहौर केस की फांसियों के बाद 'भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव मेमोरियल फंड में आर्थिक श्रद्धांजलि दीजिए' शीर्षक से सुशीला जी ने देशवासियों के नाम एक मार्मिक अपील निकाली थी, जिसमें उनका पता एमडी सिन्हा भवन, माल रोड, कानपुर छपा था। बाद में जब राजकुमार और उनके तीन साथी बरेली के केंद्रीय कारागार में अनशन पर थे, तब इस बहन का जीवट फिर देखने को मिला था। चार–पांच वर्ष पूर्व मेरे पास अमेरिका से राजू दा की पुत्री का फोन आया। फिर बर्लिन से प्रदीप घोष ने, जो सुशीला घोष के बेटे हैं, ई–मेल के जरिये संपर्क किया। मैंने उन्हें बरेली और आगरा की केंद्रीय जेलों में राजकुमार सिन्हा के नाम पर बनवाए गए स्मृति–द्वारों के चित्र भेज दिए, पर 'मार्कंडेय दास भवन' का जमींदोज होना हमें

प्रतिपल पीड़ा देता है। कोई शहर इस कदर बदलते जाने को अभिशप्त क्यों है कि अपने इतिहास के निशानों को ही मिटता देखता रह जाए!

राजू और विजय दा की प्रारंभिक शिक्षा कानपुर के बंगाली स्कूल और क्राइस्ट चर्च कॉलेज में हुई। बाद में राजू दा विज्ञान की पढ़ाई के लिए काशी गए, तो किताबों के साथ क्रांतिकारियों का भी साथ मिला। उन्होंने दिल्ली की कांग्रेस में हिस्सेदारी की। उन्होंने बांग्ला में एक निबंध लिखा, 'राष्ट्रीय आंदोलन और छात्रों का कर्तव्य', जिसे छात्र परिषद के एक अधिवेशन में पढ़े जाने के बाद अदालत में पेश किए जाने पर राजद्रोहात्मक बताया गया। यही वह बुनियाद थी, जो फिर दरकी नहीं। काकोरी केस से उनको जोड़े जाने का आधार बनारस में उनके कमरे से बरामद चीजों को बनाया गया, जिनमें दो रायफलें, दारोगा का झब्बा और पगड़ी थी। पुलिस ने साबित करने का प्रयास किया कि इनमें से एक रायफल का इस्तेमाल मैनपुरी मामले में किया गया था। गिरफ्तारी के बाद कानपुर और लखनऊ जेल में उन्हें रखा गया तथा उन पर दबाव डाला गया कि अपना कबूलनामा पेश कर दें, पर राजू दा झुके नहीं। तभी उन्हें अपने पिता के निधन का समाचार मिला। जेल जीवन में उन्होंने रूसी, चीनी और जर्मन भाषाएं सीख लीं। बाहर आकर भी मजदूर आंदोलन और कांग्रेस में उनकी सक्रियता निरंतर बनी रही और व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी उन्होंने भाग लिया। फिर नेताजी सुभाष से प्रभावित हो वह 'फॉरवर्ड ब्लॉक' में चले गए। नेताजी जब कानपुर आए, तब राजू दा के कराचीखाना वाले मकान पर उनकी वीर मां शरत कुमारी सिन्हा के प्रति आदर व्यक्त करने पहुंचे थे। तब राजू दा और विजय दा जेलों में थे।

वर्ष 1937 में रिहाई के बाद एक बंगाली युवती प्रकृति से राजू दा का विवाह हुआ। नेताजी सुभाष कलकत्ता के उस आयोजन में उपस्थित थे। मेरे पास यही एक यादनामा बचा है, जिसे मैं सीने से चिपकाए बैठा हूं। बयालीस में पकड़े जाने पर वह चार साल नजरबंद रहे। आजादी के बाद भी राजू दा संग्रामी बने रहे। मैं बार–बार किसी बुजुर्ग कानपुरिये से यह पूछना चाहता हूं कि क्या उनकी आंखों में कराचीखाना के आसपास अपनी साइकिल पर हर रोज आते–जाते हुए राजू दा की कोई छवि है। मैं राजू दा का लिखा हुआ भी तलाश रहा हूं, जिनके कुछ अंश 1937 में सैनिक में छपे थे। रूस, चीन आदि कम्युनिस्ट देशों के प्रशंसक रहे राजू दा गरीब और शोषित जनता के आजीवन पक्षधर बने रहे और उन्होंने 'वारान्निकोव रूसी प्रशिक्षण मंदिर' की स्थापना भी की। वह एक सुमधुर गायक भी थे।

18 दिसंबर, 1972 को राजू दा के निधन के बाद उनकी पत्नी को सेन बालिका विद्यालय, कानपुर की पूर्व अध्यापिका होने के आधार पर 300 रुपये पेंशन से गुजर–बसर करनी पड़ी। मुझे नहीं पता कि प्रकृति कब तक जीवित रहीं। सुना कि उनकी आंखों के सामने ही पुत्र भास्कर सिन्हा मात्र 52 की उम्र में चल बसे थे। आजादी के बाद राजू दा की जिंदगी का पच्चीस साल का लेखा–जोखा हमें बहुत विचलित करता है। वह कभी डीएवी कॉलेज, आईआईटी, डिफेंस लैब, तो किसी समय डीआरएलएम में क्लास लेने हर मौसम में साइकिल से आते–जाते रहे और 67 की उम्र में एक दिन हमें अलविदा कह दिया। कानपुर अपने इस आजीवन विप्लवी के सम्मान में एक 'जयगान' नहीं रच सका। उनके नाम का कोई पत्थर तक शहर के किसी इलाके में नहीं है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

सीटों को लेकर अभी से असहज हो रहे सपा के सहयोगी दल : समीकरण के हिसाब से चाह रहे सीटें

लखनऊ ब्यूरो : समाजवादी पार्टी के प्रमुख सहयोगी दल अभी से ही सीटों को लेकर असहज हो रहे हैं। इसकी वजह यह है कि गठबंधन के तहत सपा द्वारा जो सीटें सहयोगी दलों सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) और अपना दल (कमेरावादी) को दी गई हैं, उनमें से कई सीटों पर चुनाव लड़ने को दोनों दल राजी नहीं हैं। ऐसे में इन सीटों को बदलने को लेकर सहयोगी दल अभी भी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर दबाव बनाए हुए हैं। दरअसल सपा की तरह सहयोगी दल भी यही चाहते हैं कि उनको भी वहीं सीटें दी जाएं, जिसे जीतने में कोई संशय न हो। इसके लिए दोनों दलों ने अपनी–अपनी जाति के समीकरण के लिहाज से सीटों को चिह्नित करके सपा अध्यक्ष को लिस्ट भी सौंप दी थी। उन्हें उम्मीद उनके हिस्से में वही सीटें मिलेंगी, लेकिन उनमें कई सीटें ऐसी दी गई हैं, जिस पर न जातीय समीकरण अनुकूल है और न ही दोनों दलों के नेताओं का ही प्रभाव है। सुभासपा चाहती थी कि उन्हें अवध की सीतापुर, लखीमपुर के अलावा अधिक से अधिक सीट पूर्वांचल में दी जाएं। खास तौर पर वाराणसी, बलिया, गाजीपुर, मऊ और देवरिया में। इसी प्रकार अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने भी वाराणसी, प्रयागराज और प्रतापगढ़ की उन सीटों पर ही दावेदारी कर रखी थी, जिन पर कुर्मी मतदाताओं की संख्या अधिक है। लेकिन, सपा ने पल्लवी पटेल को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ कौशांबी की सिराथू सीट पर उतार दिया। इसे लेकर अपना दल के नेता असहज महसूस कर रहे हैं। इस सीट की घोषणा के तत्काल बाद ही पार्टी के महासचिव पंकज पटेल निरंजन ने असहजता जाहिर भी कर दी थी। हालांकि उन्होंने स्पष्ट तौर तो कुछ नहीं कहा, लेकिन इशारे में संकेत जरूर किया है कि यदि सपा एक सीट भी नहीं देगी तो भी अपना दल उनकी लड़ाई में साथ खड़ा रहेगा। सिराथू सीट

पर पल्लवी के उम्मीदवारी की घोषणा के तत्काल बाद पल्लवी के पति पंकज के इस बयान के निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। सूत्रों की माने तो कृष्णा पटेल का सबसे अधिक जोर वाराणसी की रोहनिया या पिंडरा सीट को लेकर है, लेकिन समाजवादी पार्टी इन सीटों को अपने लिए सबसे अधिक उपयुक्त मान रही है। इसलिए सपा उन्हें किसी और जिले में सीटें देने की बात पर अड़ी है। ऐसे में दोनों दलों के बीच वाराणसी की किसी एक सीट को लेकर रस्साकसी चल रही है। सपा और सुभासपा के बीच अब भी कुछ सीटों पर सहमति नहीं बन पा रही है उधर, सुभासपा के साथ भी कुछ ऐसी ही स्थिति बताई जा रही है। आपसी समझौते में सुभासपा को करीब 14 से 16 सीटें दिए जाने की बात कही जा रही है। सुभासपा अभी तक 5 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार चुकी है। कहा जा रहा है कि सपा और सुभासपा के बीच अब भी कुछ सीटों पर सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्रों की माने तो सुभासपा आजमगढ़ और बलिया में ऐसी कई सीटों पर दावा कर चुकी है, जिस पर सपा का कब्जा है। संभावना है कि एक–दो दिन के भीतर तीनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर छाया धुंध हट सकता है।

नामांकन के सातवे दिन कुल 51 लोगो ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर नामांकन पत्र दाखिल कियाः–जिला निर्वाचन अधिकारी

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया है कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 हेतु आज नामांकन के सातवे दिन जनपद के अन्तर्गत आने वाली कुल 08 विधान सभा क्षेत्रों हेतु नामांकन के कुल 05 नामांकन पत्र खरीदे गये, तथा आज कुल 51 नामांकन पत्र दाखिल किये गये। उन्होने बताया है कि विधान सभा क्षेत्र सवायजपुर–154 में कुल 02 नामांकन पत्र खरीदें गये जिसमें से अवनीश श्रीवास्तव व अशोक कुमार सिहं ने 02 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र–155 शाहाबाद मे कुल 01 नामांकन पत्र खरीदा गया जिसमे से अखिलेश पाठक ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र–156 हरदोई मे कुल 01 नामांकन पत्र खरीदा गया जिसमे से अनीता देवी ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र बिलग्राम–मल्लावां–159 में कुल 01 नामांकन पत्र खरीदा गया जिसमें से मनीष कुमार ने 01 सेट खरीदा। उन्होने बताया है कि नामांकन के सातवे दिन विधान सभा क्षेत्र–154 सवायजपुर से जन अधिकार पार्टी उम्मीदवार वेदराम, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी उम्मीदवार रीतू, बीएसपी उम्मीदवार राहुल, भारतीय सुभाष सेना उम्मीदवार रमेश, निर्दलीय उम्मीदवार मनोज कुमार, राजप्रकाश, सूरज प्रकाश व अशोक कुमार सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र–155 शाहाबाद से जन अधिकार पार्टी उम्मीदवार रामकिशोर प्रजापति, जनसत्ता पार्टी उम्मीदवार परिणीता सिंह, काग्रेस उम्मीदवार अजीमुन शाह, सपा उम्मीदवार मोहम्मद आसिफ, निर्दली उम्मीदवार नसरीन बानों व अखिलेश पाठक ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसी प्रकार विधान सभा क्षेत्र–156 हरदोई से आप उम्मीदवार सुशील कुमार, पीपीआई उम्मीदवार न्यायवर्द्वन सिंह, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी उम्मीदवार मनफूल व निर्दलीय उम्मीदवार जागेश्वर ने नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान

सभा क्षेत्र–157 गोपामऊ से काग्रेस उम्मीदवार सुशीला देवी, सपा उम्मीदवार राजेश्वरी, आजाद समाज पार्टी उम्मीदवार चन्द्रपाल वर्मा, आप पार्टी उम्मीदवार रूद्रप्रताप शाही व निर्दलीय उम्मीदवार राजेन्द्र एवं राजेन्द्र प्रसाद ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र–158 साण्डी से बीजेपी उम्मीदवार प्रभाष कुमार वर्मा, आप उम्मीदवार स्वर्णकान्त निर्दलीय उम्मीदवार प्रदीप कुमार वर्मा, रामसागर, अनूप कुमार, रजनीश कुमार, कमल वर्मा ने नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र–159 बिलग्राम मल्लावां से आप उम्मीदवार विनोद कुमार, भा0व0स0 पार्टी उम्मीदवार रेहाना बेगम, भा0ज0स0 पार्टी उम्मीदवार माधुरी सिंह, रा0रि0 पार्टी उम्मीदवार देवीचरण, जा0र0 पार्टी उम्मीदवार दुर्गेश सिंह चौहान, बीजेपी उम्मीदवार आशीष कुमार सिंह, निर्दलीय उम्मीदवार सुनीता पाल, मनीष कुमार व नीरज कुमार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र–160 बालामऊ से भारतीय शक्ति चेतना पार्टी उम्मीदवार रामकृष्ण, जष्टिस पार्टी उम्मीदवार इन्द्रपाल पासी व निर्दली उम्मीदवार अर्पित व रामकृष्ण ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया तथा विधान सभा क्षेत्र–161 सण्डीला से एआईएमआईएम उम्मीदवार रफीक, भारतीय कृषक दल उम्मीदवार अंजुल कुमार, उ0प्र0 रिपब्लिकन पार्टी उम्मीदवार सर्वेश, बीजेपी उम्मीदवार अलका सिंह, निर्दलीय उम्मीदवार मो0 फकरूद्दीन, नरेश सिंह, ललित कुमार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस प्रकार नामांकन के सातवे दिन कुल 46 लोगो ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर नामांकन पत्र दाखिल किया।

विधान परिषद की 30 सीटों के लिए अधिसूचना : पहले चरण के लिए तीन मार्च को होगा मतदान

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 30 सीटों पर तीन मार्च को होने वाले चुनाव के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी होगी। इसके साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। 11 फरवरी को नामांकन का अंतिम दिन है। 14 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 16 फरवरी तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। मतदान तीन मार्च को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि विधान परिषद के 35 स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों से 36 सदस्यों का निर्वाचन दो चरणों में किया जाना है। इन सदस्यों का कार्यकाल सात मार्च को पूरा हो रहा है। पहले चरण में 29 स्थानीय निर्वाचन क्षेत्रों से 30 सदस्यों का चुनाव किया जाना है। पहले चरण में इन क्षेत्रों में होंगे चुनाव मुरादाबाद– बिजनौर, रामपुर– बरेली, बदायूं, पीलीभीत– शाहजहांपुर, हरदोई, खीरी, सीतापुर, लखनऊ– उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, बाराबंकी, बहराइच, आजमगढ़– मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर– सोनभद्र, इलाहाबाद, बांदा– हमीरपुर, झांसी– जालौन– ललितपुर, कानपुर–फ तेहपुर, इटावा– फर्रुखाबाद, आगरा– फिरोजाबाद, अलीगढ़, बुलंदशहर, मेरठ– गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर– सहारनपुर और मथुरा– एटा– मैनपुरी। मथुरा– एटा– मैनपुरी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से 2 सदस्य निर्वाचित होंगे। जबकि शेष निर्वाचन क्षेत्रों से एक–एक सदस्य निर्वाचित होने हैं।

निर्दलीय : कभी किंगमेकर, अब नहीं रहा लोगों का भरोसा, लगातार घट रही संख्या

लखनऊ ब्यूरो : ये माननीय होते तो निर्दलीय हैं, मगर निभाते हैं किंगमेकर की भूमिका। इन्हीं निर्दलीयों ने चंद्रभानु गुप्त सरकार को 11 दिन में ही गिरा दिया था। एक समय ऐसा भी था जब विधानसभा में इनकी संख्या 40 तक पहुंच गई थी, मगर दो दशक में ऐसी गिरावट आई कि ये दहाई तक भी नहीं पहुंच पाए। मौजूदा समय में तो इनकी संख्या घटकर तीन रह गई है। आखिर ऐसा क्यों? सियासी पंडितों का कहना है कि बदले सियासी माहौल में निर्दलीयों पर जनता का भरोसा कम होता जा रहा है। आजादी के बाद शुरुआती तीन–चार विधानसभा चुनावों तक दलीय प्रत्याशियों के खिलाफ उतरा निर्दलीय अगर बड़ा चेहरा होता, तो लोग उसे तवज्जो देते। उस दौर में चेहरा मायने रखता था। तब राजनीतिक दलों की संख्या भी काफी कम थी और निर्दल प्रत्याशी के तौर पर राजा, जमींदार या नवाबों के अलावा समाजसेवा से जुड़े बड़े नाम वाले चेहरे भी उतरते थे। पर, मौजूदा समय में जातीय आधार पर राजनीतिक दलों की संख्या काफी बढ़ जाने से मतों का विभाजन भी जाति के आधार पर होने लगा है। इसलिए निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जीतने वालों की संख्या काफी कम हुई है। पिछले चुनावों के आंकड़ों को देखें तो निर्दलीय प्रत्याशियों की संख्या कम होने के बाद भी जीतने वालों की संख्या दो अंकों में होती थी। 1989 में 3710 में से 40 निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचे थे। 1957 में 660 निर्दलीय प्रत्याशियों में से 39 विधायक चुने गए थे। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब निर्दलीय विधायकों की संख्या 20 से अधिक हुआ करती थी। पर, वर्ष 2002 के बाद ऐसे विधायकों की संख्या लगातार घटती गई। 2002 के चुनाव में 2353 में से 16 निर्दलीय विधायक ही चुने गए। इसके बाद 2007 में 2581 में से 9, 2012 में 1691 में से 6 और 2017 में 1462 में से मात्र तीन निर्दलीय प्रत्याशी ही चुनाव जीतने में कामयाब हुए। पहले विधानसभा चुनाव में जीते थे 14 निर्दलीय चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 1952 में हुए पहले विधान सभा चुनाव में 1006 लोगों ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर भाग्य आजमाया था। इनमें से 14 जीतने में सफल हुए थे। 1957 में 39, 1962 में 31, 1969 में 37, 1974 में 5, 1977 में 16, 1980 में 17, 1985 में 23, 1989 में 40, 1991 में 7, 1993 में 8 और 1996 के विधानसभा चुनाव में 13 निर्दलीय प्रत्याशी जीते थे। 1967 में निर्दलीयों ने गिरा दी थी चंद्रभानु गुप्त की सरकार वर्ष 1967 के चुनाव में कांग्रेस को 425 में से 199 सीट ही मिली थी। जनसंघ को 98 सीटें मिली थीं, जबकि 37 निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी। ऐसे में सरकार के गठन में इनकी भूमिका अहम हो गई थी। कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने गए चंद्रभानु गुप्त ने 223 विधायकों का समर्थन होने का पत्र राज्यपाल को सौंपा। गुप्त ने सरकार तो बना ली, लेकिन कांग्रेसी विधायकों के टूटने और निर्दलीय विधायकों के विपक्षी खेमे से हाथ मिला लेने की वजह से सिर्फ 11 दिन में ही उनकी सरकार गिर गई।

आईआईएम के छात्र को 61 लाख का प्लेसमेंट : कोविड संक्रमण के दौर में भी प्लेसमेंट पर असर नहीं

लखनऊ ब्यूरो : भारतीय प्रबंधान संस्थान लखनऊ ने एक बार फिर अपने ही पिछले रिकार्ड को ब्रेक करते हुए इस बार एक और बेहतर स्थान प्राप्त किया है। यहां के विद्यार्थियों को जहां भारतीय कंपनियों द्वारा अधिकतम 58 लाख सालाना का पैकेज दिया गया है वहीं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अधिकतम 61.58 लाख रुपये सालाना का पैकेज दिया गया है। खास ये कि कोविड संक्रमण के दौर में भी विद्यार्थियों का पैकेज घटने की जगह बढ़ा है। वहीं हर साल की तरह इस बार भी संस्थान के विद्यार्थियों का 100 फीसदी प्लेसमेंट हुआ है। राष्ट्रीय कंपनियों ने पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम में पी नंदा किशोर, सुमित कुमार पाल को अधिकतम 58 लाख सालाना का पैकेज दिया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पीजीपी की छात्रा आरूषी पी कापसे और टिंसू कुमार को 61. 59 लाख सालाना का पैकेज ऑफर किया गया है। पिछले साल जहां सर्वाधिक 56 लाख सालाना का पैकेज मिला था। वहीं इस बार यह

बढ़कर 61.58 लाख हुआ है। इसके साथ ही इस साल पहली बार प्लेसमेंट में एंबिट, अर्गा इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट, अर्पवुड कैपिटल, ऑरोनोवा कंसल्टिंग, डालबर्ग, हुलिहान लोकी, लिंकन इंटरनेशनल, मीशो, विंजो गेम्स आदि नई कंपनियां भी प्लेसमेंट के लिए यहां आईं।

अलीगढ़ में पांच ई–बसों पर खर्च पांच हजार से ज्यादा : कमाई सिर्फ 12 हजार

अलीगढ़ ब्यूरो : शहर के दो रूटों पर चल रहीं ई–बसें कमाई के मामले में पिछड़ रही हैं। पांच ई–बसों के संचालन से प्रतिदिन औसतन 12 हजार रुपये की कमाई हो रही है, जबकि इन बसों को चार्ज करने में पांच हजार रुपये से अधिक का खर्च आता है। इसके अलावा, चालकों–परिचालकों का वेतन व अन्य खर्च अलग हैं। सूबे के मुख्यमंत्री ने चार जनवरी को ई–बसों को हरी झंडी दिखाई थी। शहर के दो रूटों पर चल रहीं पांच ई–बसों में तकरीबन एक हजार यात्री रोजाना सफर कर रहे हैं। बसों का समय तय न होने से यात्रियों को थोड़ी परेशानी हो रही है। पहला रूट महरावल से सारसौल चौराहा, बस स्टैंड होते हुए हरदुआगंज तक 20 किलोमीटर का है। महरावल से हरदुआगंज का किराया 30 रुपये है। दूसरा रूट बौनेर से खेरेश्वर चौराहे तक पंद्रह किलोमीटर का है और किराया बीस रुपये है। एक बस प्रतिदिन दस चक्कर लगाती है। अधिकारियों के अनुसार, महरावल से हरदुआगंज तक 28 सीटर ई–बस पूरी भरी होने पर करीब नौ सौ रुपये किराया आना चाहिए। इस हिसाब एक बस से प्रतिदिन करीब नौ–दस हजार रुपये आय होनी चाहिए। रोडवेज के आरएम मो परवेज खान ने बताया कि पांच बसों द्वारा दोनों रूटों पर एक दिन में 50 चक्कर लगाए जा रहे हैं। इससे करीब 12 हजार की कमाई हो रही है। अभी यह कमाई औसत से कम है। इसी माह में रूटों का विस्तार होने के साथ–साथ कमाई भी बढ़ेगी। 133 यूनिट बिजली से 200 किमी दौड़ती है एक बस एक ई बस को फुल चार्ज होने में औसतन 133 यूनिट बिजली खर्च होती है। फुल चार्ज के बाद यह बस 200 किमी. चलती है। हालांकि गर्मियों में एसी चलने के कारण यह औसत कम हो सकता है। करीब 1050 रुपये की बिजली एक ई–बस के चार्ज होने पर खर्च होती है। पांच बसों पर पांच हजार से अधिक का खर्चा आता है। बस कब आती है, कब जाती है... यात्री हैं बेखबर शहर में पांच ई बसों का संचालन तो शुरू हो गया है। लेकिन इनका समय निर्धारित नहीं होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। समय निर्धारित होने से इसकी कमाई भी बढ़ सकती है। समय तय न होने और कम प्रचार–प्रसार के चलते इसकी कमाई पर असर देखने को मिल रहा है। हालांकि, बस में प्रचार के लिए आगे और पीछे एलईडी स्क्रीन लगाई है। लोगों का कहना है कि बस उनके सामने से निकल जाती है और उन्हें पता ही नहीं चलता कि यह ई–बस है। परिचालक भी आवाज नहीं लगाते हैं।

बारिश से किसानों की मुश्किलें बढ़ीं: बनारस में आज भी नहीं निकली धूप : ठंड के बीच छाए हैं बादल

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी समेत आसपास के जिलों में गुरुवार देर शाम हुई बारिश के बाद से किसानों की मुश्किलें बढ़ी गई हैं। शुक्रवार सुबह से धूप नहीं निकली है। वातावरण में बारिश और बादलों का असर काबिज है। बारिश और नम हवाओं के कारण ठंड में भी इजाफा हुआ है। पहाड़ों पर हुई बर्फबारी और जम्मू कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता की वजह से ही मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम वैज्ञानिक एसएन पांडेय ने बताया कि गुरुवार को 15 से 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चली। बंगाल की खाड़ी से नमी आने की वजह से ही तूफान जैसा माहौल रहा। छह फरवरी तक मौसम ऐसे ही रहने की संभावना है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। गेहूं और सरसों की फसलों को नुकसान गरज चमक संग बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। जानकारों के अनुसार, सब्जियों के साथ–साथ गेहूं और सरसों की फसलों को नुकसान होगा। साथ ही जायद की फसलों की बुआई भी प्रभावित होगी। कृषि विज्ञान केंद्र कल्लीपुर के प्रभारी डॉ. नरेंद्र रघुवंशी के मुताबिक, बारिश और ओलावृष्टि से फूल वाली फसल जैसे सरसों, चना, मटर को पांच से 10 प्रतिशत तक नुकसान होगा। बारिश के बाद अगर तेज हवा चली तो गेहूं के फसल गिरने की संभावना है। जिला उद्यान अधिकारी संदीप कुमार गुप्त ने बताया कि बौर लगने वाले आम के पेड़ों पर इस बारिश का कोई असर नहीं होगा।

थाना मुगराबादशाहपुर, जौनपुर पुलिस ने जुआ खेलते हुए 06 जुआरियों को किया गिरफ्तार : ताश के पत्ते व नकदी बरामद

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) तथा क्षेत्राधिकारी महोदय मछलीशहर के कुशल पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में थानाध्यक्ष सदानन्द राय मुगराबादशाहपुर जौनपुर के मय टीम द्वारा जरिये मुखबिर खास की सूचना पर दिनांक 02/02/2022 समय करीब 20.55 बजे गड़ियां गांव के पास के बगीचे से 6 जुआरियों को तास के 52 पत्ते नगद रु0 2600/ रुपये व 05 अदद मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया जिसके सम्बन्ध में थाना मुगराबादशाहपुर पर मु0अ0स0 33/2022 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही हैं। बरामदगीः तास के 52 पत्ते, नगद 2600/ रु व 05 अदद मोबाइल। नाम पता अभियुक्तगण – 1. बबलू पटेल पुत्र स्व0 पन्नालाल पटेल निवासी गड़िया थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर उम्र करीब 34 वर्ष 2. दिलिप बिन्द पुत्र सुक्खुराम बिन्द निवासी इटहरा थाना मुगराबादशाहुर जौनपुर उम्र करीब 21 वर्ष 3. उमाशँकर पटेल पुत्र छोटेलाल पटेल निवासी गड़िया थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर उम्र करीब 38 वर्ष 4. अमृतलाल पटेल पुत्र राम करन पटेल निवासी गड़िया थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर उम्र करीब 40 वर्ष 5. अजय गौतम पुत्र मोहनलाल गौतम निवासी नौवाडाड़ी थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर उम्र करीब 22 वर्ष 6. ओम

प्रकाश गौतम पुत्र रवि शँकर निवासी नौवाडाड़ी थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर उम्र करीब 58 वर्ष गिरफ्तारी करने वाली टीम– 1. थानाध्यक्ष सदानन्द राय थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर । 2. हे0का0 विनोद कुमार सिंह थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर। 3. चा0हे0का0 मनोज कुमार चौबे थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर। 4. का0 ओमप्रकाश मिश्रा थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर 5. का0 गया प्रसाद पटेल थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर 6. का0 मिथिलेश राजभर थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर। 7. का0 अभिमन्यू यादव थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर । 8. का0 समरविजय यादव थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर। 9. का0 पंकज यादव थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर। 10. का0 अभिषेक पाठक थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर।

सुविधाओं और सेवाओं में 91 प्रतिशत अंकों के साथ डोभी सीएचसी को लक्ष्य का सर्टीफिकेट

जौनपुर सू.वि. : सुविधाओं और सेवाओं में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) डोभी को लेबर रूम क्वालिटी इम्प्रूवमेंट (लक्ष्य) का प्रमाणपत्र मिला है। इसके साथ ही डोभी सीएचसी लक्ष्य सर्टिफिकेट पाने वाली पूर्वांचल की पहली स्वास्थ्य इकाई बन गई है। केंद्र सरकार की ओर से इस संबंध में पत्र मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ लक्ष्मी सिंह तथा डोभी के प्रभारी चिकित्साधिकारी (एमओआईसी) डॉ एसके वर्मा के मेल पर आ गया है। इस पर खुशी जताते हुए सीएमओ ने पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही आगे और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं डोभी के एमओआईसी डॉ एसके वर्मा ने इसे डोभी के कर्मचारियों की टीम वर्क का परिणाम बताया। साथ ही जिला स्तर सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह, डीपीएम सत्यव्रत त्रिपाठी के मार्गदर्शन को इसका श्रेय दिया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) सत्यव्रत त्रिपाठी ने बताया कि लक्ष्य के तहत सीएचसी और जिला अस्पताल के प्रसव कक्ष (लेबर रूम) की गुणवत्ता के लिए निर्धारित सभी मानकों पर 70 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले पुरस्कृत किए जाते हैं। 20 और 21 अक्टूबर 2021 को लक्ष्य का मूल्यांकन करने के लिए नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर (एनएचएसआरसी) नई दिल्ली से एक टीम आई थी। इसमें गुजरात से डॉ पियूष टेलर तथा केरल से डॉ शुभगन थे। इसका मूल्यांकन आठ मानकों के आधार पर किया गया। सर्विस प्रोविजन, पेशेंट राइट्स, इनपुट्स, सपोर्ट सर्विसेज, क्लीनिकल सर्विसेज, इनफेक्शन कंट्रोल, क्वालिटी मैनेजमेंट और आउटकम के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। सर्विस प्रोविजन में मातृ, शिशु, किशोर की स्वास्थ्य सेवाएं, जांचें तथा उपचार की सुविधा सहित कई अन्य सेवाएं परखी जाती हैं। पेशेंट राइट्स में मरीजों के साथ कर्मचारियों का व्यवहार, गोपनीयता, स्वास्थ्य सेवाओं की सुगमता एवं रोगियों के अधिकारों का प्रदर्शन देखा जाता है। इनपुट्स में स्पेस, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, वेटिंग एरिया, नर्सिंग स्टेशन ड्यूटी रूम आदि देखा जाता है। सपोर्ट सर्विसेस उपकरणों के रखरखाव और उनकी क्रियाशीलता, प्रसव कक्ष में रेफ्रिजरेटर, रजिस्टर, दीवारों की साफ–सफाई, बिजली की आपूर्ति, कर्मचारियों का ड्रेस कोड देखा जाता है। क्लीनिकल सर्विसेज में मरीजों का पंजीकरण, परामर्श, उपचार, प्रोटोकॉल प्रदर्शन, उच्च जोखिम गर्भवती का चिह्नीकरण, संदर्भन और फालोअप की व्यवस्था देखी जाती है। इंफेक्शन कंट्रोल में स्टाफ का टीकाकरण, चिकित्सकीय जांच, हाथ के साफ–सफाई की आदतें, बायोमेडिकल प्रबधन देखते हैं। क्वालिटी मैनेजमेंट में क्वालिटी सर्कल का गठन कर माह में नियमित बैठक करना, गैप चिह्नित कर उसे पूर्ण करना आदि देखा जाता है। आउटकम में कितना प्रसव हुआ, प्रसव के सापेक्ष परिवार नियोजन के साधनों की उपलब्धता, आक्सीटोसिन का शत–प्रतिशत प्रबंधन आदि देखा जाता है। इनमें सर्विस प्रोविजन में 82 प्रतिशत, पेशेंट राइट में 100 प्रतिशत, इनपुट्स में 90 प्रतिशत अंक मिले। सपोर्ट सर्विसेज में 97 प्रतिशत, इनफेक्शन कंट्रोल में 95 प्रतिशत, क्वालिटी मैनेजमेंट में 84 और आउटकम में 90 प्रतिशत अंक मिले। ओवर आल 91 प्रतिशत अंक मिले।

ये हैं सीएम योगी के चार प्रस्तावकों के नाम : यहां भी साध गए सामाजिक समीकरण

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से बतौर भाजपा प्रत्याशी सीएम योगी नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे हैं। चार सेट में नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए जिन चार प्रस्थापकों (बोलचाल में प्रस्तावक) और एक इलेक्शन एजेंट का चयन किया गया, उसके माध्यम से समाज के हर वर्ग को सम्मान दिया गया। सामाजिक दृष्टिकोण से इसमें सामान्य वर्ग, ओबीसी, अनुसूचित को शामिल किया गया तो व्यावहारिक कार्यगत नजरिये से उद्यमी, शिक्षाविद, चिकित्सक, शिक्षक और धर्म–अध्यात्म से जुड़े लोग सहभागी बने हैं। चौंबर ऑफ इंडस्ट्रीज गोरखपुर के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, महात्मा गांधी इंटर व पीजी कॉलेज के प्रबंधक मंकेश्वर नाथ पांडेय, रैदास मंदिर समिति के अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ मंगलेश श्रीवास्तव को सीएम योगी की तरफ से दाखिल अलग–अलग सेट के नामांकन पत्र में प्रस्थापक या प्रस्तावक बनाया गया है। जबकि महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ अरुण कुमार सिंह विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इलेक्शन एजेंट होंगे। वैश्य समाज से आने वाले सुरेंद्र कुमार अग्रवाल चौंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के कई बार अध्यक्ष रह चुके हैं। वह स्थानीय स्तर पर उद्यमियों के सर्वमान्य प्रतिनिधि माने जाते हैं। आईआईटी रुड़की से केमिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने वाले अग्रवाल उद्यमी हैं और गीडा में उनकी अपनी केमिकल प्रोडक्ट की यूनिट है। वह योगी के संसदीय जीवन के प्रारंभ से ही उनके साथ जुड़े हुए हैं। गोरखपुर में रेडीमेड गारमेंट को ओडीओपी में शामिल कराने और गीडा में रेडीमेड गारमेंट पार्क की स्थापना को लेकर अग्रवाल के सुझावों पर मुख्यमंत्री ने निर्णायक मुहर लगाई है। मंकेश्वर नाथ पांडेय उस नेशनल एजुकेशनल सोसाइटी के प्रबंधक हैं जो एमजी इंटर कॉलेज, पीजी कॉलेज समेत कई शिक्षण संस्थानों का संचालन करती है। ब्राह्मण और कायस्थ दोनों समाजों का प्रतिनिधित्व करने वाले मंकेश्वर नाथ गोरक्षपीठ के सामाजिक अभियानों में सहभागी बनते रहे हैं। एक शिक्षाविद के रूप में उनकी ख्याति पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश में है। वह वर्ष 2007 में खुद भी शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं और अपनी पारिवारिक और सामाजिक पृष्ठभूमि से ब्राह्मणों और कायस्थों में खासे लोकप्रिय हैं। रैदास मंदिर समिति के अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद सीएम योगी के नामांकन के लिए एक सेट प्रपत्र के प्रस्तावक हैं। अनुसूचित जाति से आने वाले विश्वनाथ समाजिक समरसता की उसी विचारधारा के प्रतिनिधि हैं जिसे गुरु गोरक्षनाथ, उनके उपासकों और संत रैदास ने अपने जीवन का मूल मंत्र बनाया। विश्वनाथ प्रसाद गोरक्षपीठ और उसके महंतों के छुआछुत और सामाजिक भेदभाव समाप्त करने के अभियान से न केवल प्रभावित हैं बल्कि खुद भी उससे जुड़े हुए हैं। उन्हें अनुसूचित वर्ग के लोगों में सामाजिक चेतना के लिए अभियान चलाने के लिए भी जाना जाता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और मशहूर पैथॉलॉजिस्ट डॉ मंगलेश श्रीवास्तव महानगर में सामाजिक सरोकारों के निर्वहन के लिए भी जाने जाते हैं। उनकी कायस्थ समाज में मजबूत पैठ तो है ही, संस्कार भारती जैसे संगठन से जुड़कर वह समाज के हर वर्ग की प्रतिभाओं को मंच देने में अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। डॉ मंगलेश का भी गोरक्षपीठ के सामाजिक प्रकल्पों से गहरा जुड़ाव रहा है। वह चिकित्सक समुदाय के बीच भी खासे लोकप्रिय हैं। इन चार प्रस्तावकों के अलावा महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ अरुण कुमार सिंह को सीएम योगी के चुनाव के लिए इलेक्शन एजेंट की जिम्मेदारी दी गई है। जातीय आधार पर ओबीसी से ताल्लुक रखने वाले डॉ सिंह की गिनती श्रेष्ठ शिक्षकों में होती है। उन्हें शैक्षिक अनुसाशन और प्रबंधन के लिए सराहा जाता है।

कोविड सर्वे अभियान – 5,143 लोगों को प्रदान की मेडिसिन किट

जौनपुर सू.वि. : जिले में 24 से 29 जनवरी तक चलाए गए सर्वे अभियान के दौरान 60 वर्ष से अधिक उम्र के जिन लोगों को कोविड टीके की पहली डोज नहीं लगी थी, उन्हें चिह्नित किया गया। अभियान के अंतर्गत नियमित टीकाकरण से छूटी गर्भवती तथा दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों की ड्यूलिस्ट बनाई गई तथा कोविड के लक्षणयुक्त व्यक्तियों को चिह्नित किया गया। इसके साथ ही कोविड मेडिसिन किट का वितरण किया गया। अभियान के नोडल अधिकारी डॉ डीपी यादव ने बताया कि अभियान का उद्देश्य समुदाय से लक्षणयुक्त लोगों को चिह्नित कर उनकी सैम्पलिंग कराना तथा तत्काल मेडिसिन किट उपलब्ध कराना था ताकि कोविड संक्रमण को रोका जा सके। अभियान के माध्यम से नियमित टीकाकरण से वंचित गर्भवती को चिह्नित कर ड्यूलिस्ट में शामिल की किया गया। ऐसे ही दो वर्ष तक के ऐसे बच्चे चिह्नित किए गए जिनका कोई टीका छूट गया था, जिससे उन्हें टीका लगाया जा सके। अभियान के अंतर्गत 60 वर्ष से ऊपर के 9,132 लोग जिन्हें किसी विशेष कारणवश कोविड टीके की एक भी डोज नहीं लगी है, उनकी सूची बनाकर टीकाकरण कराया जा रहा है । इसके साथ ही अगले माह चलने वाले मिशन इन्द्र धनुष अभियान में छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण कराकर शत–प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। ईपीडिमियोलाजिस्ट डॉ जिया–उल–हक ने बताया कि पांच दिन तक चले अभियान के दौरान 5,095 लक्षण युक्त लोगों की खोज की गई और 5,143 लोगों को मेडिकल किट बांटी गई। 2,134 बुखार के तथा 3,011 सर्दी–जुकाम से पीड़ित लोगों की भी पहचान हुई। डॉ जिया–उल–हक ने बताया कि इस दौरान जो भी लक्षणयुक्त दिखे उनकी थर्मल स्कैनिंग की गई। इसके साथ ही लक्षणयुक्त लोगों को उनकी उम्र के अनुसार मेडिसिन किट दी गई। मेडिसिन किट पांच वर्ष तक, छह से 12 वर्ष तक, 12 से 18 वर्ष तक तथा 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों के लिए अलग–अलग थी। इस कार्य में कुल 1,241 टीमें तथा 418 सुपरवाइजर लगाए गए थे। अभियान के तहत कुल 2,496 कर्मचारियों ने लोगों के घर–घर दस्तक दी। इन टीमों ने 6,39,504 घरों का भ्रमण किया।

अलीगढ़ में एमएलसी चुनाव के लिए नामांकन आज से

अलीगढ़ ब्यूरो अलीगढ़–हाथरस की स्थानीय निकाय की विधान परिषद सीट (एमएलसी) के लिए अधिसूचना जारी होने के साथ ही शुक्रवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। कलेक्ट्रेट में डीएम न्यायालय के कक्ष संख्या सात में नामांकन होगा। नामांकन प्रक्रिया 11 फरवरी तक जारी रहेगी। इसको

लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। तस्वीर महल चौराहे व एएमयू सर्किल से केवल प्रत्याशियों व उनके प्रस्तावकों को ही कलेक्ट्रेट में जाने की अनुमति होगी। यहां प्रत्याशियों के काफिले को रोकने के लिए पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात रहेगा। प्रदेश भर में अलीगढ़–हाथरस समेत एमएलसी की 36 सीटों के लिए चुनाव होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार पटेल ने बताया कि एमएलसी चुनाव के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी होगी। इसी दिन से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और 11 फरवरी तक जारी रहेगी। 14 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच व 16 फरवरी को नाम वापसी होगी। तीन मार्च को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। 12 मार्च को मतगणना होगी। उन्होंने बताया कि चुनाव में सांसद, विधायक, जिला पंचायत सदस्य, पार्षद, क्षेत्र पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान आदि भाग लेंगे। चुनाव में अलीगढ़ के 2310 व हाथरस के 1223 मतदाताओं समेत कुल 3533 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

तेजवीर सिंह गुड्डू पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई को नोटिस तामील

अलीगढ़ ब्यूरो : पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी तेजवीर सिंह गुड्डू के दोनों बेटों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई करने के बाद प्रशासन ने अब खुद उनके खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई को नोटिस जारी किया है। जिसे इलाका पुलिस ने तामील भी करा दिया है। इस मामले में एडीएम सिटी के न्यायालय में पांच फरवरी को तलब किया गया है। जहां दोनों पक्षों की सुनवाई होगी। एडीएम सिटी राकेश कुमार पटेल के न्यायालय ने चुनाव के मद्देनजर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के बेटे दीपक चौधरी व कार्तिक चौधरी के खिलाफ छह–छह माह के लिए जिला बदर करने की कार्रवाई की है। उधर बृहस्पतिवार को एडीएम सिटी के न्यायालय से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तेजवीर सिंह गुड्डू के खिलाफ भी गुंडा एक्ट में निरुद्ध करने को नोटिस जारी किया गया। कई थानों में दर्ज मुकदमों को आधार बनाते हुए पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई की संस्तुति करते हुए अपनी रिपोर्ट दी है। एडीएम सिटी राकेश कुमार पटेल ने बताया कि इस मामले में पांच फरवरी को न्यायालय में सुनवाई होगी। नोटिस को इलाका पुलिस के माध्यम से तामील करा दिया गया है।

किसान ने गोली मारकर की आत्महत्याः कमरे में खून से लथपथ पड़ी मिली लाश

मेरठ ब्यूरो : मेरठ जनपद में दौराला थाना क्षेत्र के खेडी टप्पा गांव में शुक्रवार को एक किसान ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। गांव निवासी शौकिंद्र ने बताया कि उसके मौसा गांव

सलारपुर थाना जानसठ, जिला मुजफ्फरनगर निवासी सुरेश (56) पुत्र चंद्रपाल दो फरवरी से उनके घर पर आए हुए थे। वहीं शुक्रवार सुबह सुरेश का एक कमरे में खून से लथपथ शव पड़ा मिला। इसके बाद उन्होंने मामले की जानकारी पुलिस को दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि सुरेश ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। शौकिंद्र ने बताया कि सब कुछ ठीक था, परिवार में भी कोई अनबन नहीं थी।

इन सीटों पर दिलचस्प मुकाबला : कहीं गुरु–शिष्य तो कहीं दोस्त बने दुश्मन

लखनऊ ब्यूरो : सियासत में कुछ भी स्थायी नहीं होता है। यही वजह है कि कहीं गुरु–शिष्य मैदान में हैं, तो कहीं गलबहियां करने वाले दोस्तों में दुश्मनी हो गई है। वे मतदाताओं के बीच एक–दूसरे की कारगुजारियां गिनाते हैं। घटनाओं का जिक्र कर ललकारते हैं। कहीं दोस्त पर धोखा देने का आरोप लगा रहे हैं, तो कहीं खुद के साथ हुई नाइंसाफी गिना रहे हैं। कई जगह चुनावी जंग में रास्ते अलग–अलग हो गए हैं। इन सीटों पर इसलिए भी मुकाबला रोचक है, क्योंकि दोनों एक–दूसरे की चाल को समझते हैं। दोनों के बीच शह और मात का खेल भी जारी है। पेश है प्रदेश के अलग–अलग हिस्सों की कुछ ऐसी ही कहानियां बयां करती कुंडा विधानसभा क्षेत्र में गुरु–शिष्य आमने–सामने प्रतापगढ़ जिले के कुंडा विधानसभा क्षेत्र में अभी नामांकन नहीं हुआ है, लेकिन यहां गुरु–शिष्य आमने–सामने होंगे। यहां के विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया अपनी पार्टी जनसत्ता दल लोकतांत्रितक से मैदान में उतर रहे हैं तो सपा ने गुलशन यादव को मैदान में उतार दिया है। यह वही गुलशन यादव हैं, जिन्होंने राजा भैया की सरपरस्ती में सियासत में कदम रखा। बसपा सरकार में राजा भैया के खिलाफ पोटा लगा था। गवाह राजेंद्र यादव की सनसनीखेज हत्या का आरोप गुलशन पर लगा। इसी तरह सीओ जियाउल हक हत्याकांड में भी राजा भैया के साथ गुलशन और छविनाथ पर आरोप लगा। वर्ष 2011 में गुलशन यादव कुंडा नगर पालिका के चेयरमैन बने। इसके बाद राजा भैया से राहें जुदा हुईं। पिछले चुनाव में राजा भैया के विरोध के बावजूद गुलशन की पत्नी चेयरमैन बनीं तो सियासी दुश्मनी बढ़ गई। जनसभाओं में गुलशन यादव राजा भैया के खिलाफ आग उगल रहे हैं। खुद के साथ हुए अन्याय की दुहाई देकर वोट मांग रहे हैं। यहां का मुकाबला दिलचस्प है। क्योंकि, दोनों ही नेता एक–दूसरे की चालों को बखूबी जानते हैं। सैफुर्रहमान और पूर्व विधायक अजीम भाई की दोस्ती अब दुश्मनी में बदली फिरोजाबाद की सदर सीट से सपा के टिकट पर मैदान में उतरे सैफुर्रहमान और पूर्व विधायक अजीम भाई की दोस्ती अब दुश्मनी में बदल गई है। अजीम की पत्नी साजिया हसन बसपा के टिकट पर मैदान में हैं। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक अजीम भाई अब पत्नी के लिए वोट मांग रहे हैं। अभी तक दोनों जिगरी दोस्त साथ–साथ सियासत में सक्रिय थे। हमेशा साथ दिखने वाले ये नेता अब जनसंपर्क के दौरान एक–दूसरे के खिलाफ जहर उगलते दिख रहे हैं। जेल जाने की कहानी से लेकर विभिन्न घटनाओं का बखान करते वक्त एक–दूसरे को दोषी ठहराया जा रहा है। अजीम आरोप लगाते हैं कि सैफुर्रहमान ने धोखा दिया, जबकि सैफुर्रहमान का कहना है कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें टिकट दिया है। इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। अजीम भाई ने सोशल मीडिया पर भी अपना दर्द बयां किया है। टिकट कटने पर अंबरीश पुष्कर ने बने सुशीला सरोज के सियासी दुश्मन लखनऊ की मोहनलालगंज सीट पर भी रोचक मुकाबला हो गया है। यहां से 2017 में सपा का खाता खोलने वाले विधायक अंबरीश पुष्कर ने दो दिन पहले सपा के चिह्न पर नामांकन किया। अगले दिन पुष्कर का टिकट काटकर पूर्व सांसद सुशीला सरोज को मैदान में उतार दिया गया। ऐसे में विधायक पुष्कर ने निर्दल चुनाव लड़ने का फैसला किया है। कभी बीएस–4 के सक्रिय सदस्य रहे अंबरीश पुष्कर को राजनीति में लाने का श्रेय सुशीला सरोज को जाता है। दोनों साथ–साथ विभिन्न कार्यक्रमों में देखे जाते थे, लेकिन विधानसभा चुनाव में टिकट की लड़ाई ने दोनों को सियासी दुश्मन बना दिया है। तिर्वा सीट पर गुरु के खिलाफ शिष्य ने ठोकी ताल कन्नौज जिले की तिर्वा विधानसभा सीट पर भाजपा ने विधायक कैलाश राजपूत को मैदान में उतारा है। इनके सामने बसपा से अजय वर्मा ने ताल ठोक दी है। वर्ष 2007 में कैलाश और अजय साथ–साथ बसपा में थे। अजय वर्मा ब्लॉक प्रमुख भी रहे। लेकिन विधानसभा चुनाव में गुरु के खिलाफ शिष्य ने ताल ठोक दी है। उरई सीट पर दो रिश्तेदारों में चुनावी जंग जालौन जिले के पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी के परिवार में सियासी जंग शुरू हो गई है। खाबरी महरौनी से कांग्रेस के टिकट पर मैदान में हैं। उनकी पत्नी उर्मिला स्वर्णकार ने कांग्रेस के टिकट पर उरई से पर्चा भरा है। इसी सीट पर खाबरी के दूसरे रिश्तेदार श्रीपाल ने बसपा के टिकट पर पर्चा दाखिल कर दिया है। अब इन दोनों रिश्तेदारों को लेकर सियासी माहौल गरमाया हुआ है। पूर्व सांसद के समर्थक पशोपेश में हैं कि वे किसकी तरफ चुनाव प्रयार करें। दो परिवारों की दोस्ती सियासी दुश्मनी में बदली बांदा जिले के बबेरू विधानसभा क्षेत्र में सपा ने विशंभर यादव को उतारा है। पिछली बार बसपा से चुनाव लड़ने वाली किरन यादव कुछ समय पहले सपा में शामिल हुईं। सपा ने टिकट नहीं दिया तो वह निर्दलीय मैदान में हैं। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से चल रही दोस्ती अब सियासी दुश्मनी में बदल गई है। ललितपुर सीट पर दोनों मौसेरे भाई ललितपुर सीट पर सपा ने पूर्व विधायक रमेश कुशवाहा को मैदान में उतारा है। यहां भाजपा ने राम रतन कुशवाहा को मैदान में उतार दिया है। ये दोनों मौसेरे भाई हैं। साथ–साथ राजनीति करने वाले कुशवाहा बंधु अब आमने–सामने हैं। ऐसे में रिश्तेदारों की मुसीबत बढ़ गई है कि वे किधर जाएं।

सीएम योगी ने गोरखपुर शहर विधानसभा सीट से किया नामांकन : इन दिग्गजों का मिला साथ

गोरखपुर ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर शहर विधानसभा सीट के लिए दो सेट में नामांकन किया। सीएम योगी 12.45 बजे गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रस्तावक विश्वनाथ अंदर गए और पर्चा दाखिल किया। उसके बाद 12.49 पर बाहर आए और गृहमंत्री बाहर सोफे पर बैठ गए। इसके बाद सीएम योगी प्रस्तावक सुरेंद्र अग्रवाल के साथ 12.51 पर अंदर गए और दूसरा सेट में नामांकन दाखिल किया। बता दें कि सीएम योगी के साथ गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह भी मौजूद हैं। यह पहला मौका है कि तीनों बड़े नेता एक साथ किसी के नामांकन में शामिल होने के ए गोरखपुर पधारे हैं। सीएम योगी गोरखपुर शहर विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार बनाए गए हैं। नामांकन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बृहस्पतिवार को भी कलेक्ट्रेट के अलग–अलग न्यायालय कक्षों में रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ)–सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (एआरओ) ने बैठकर, उन सभी प्रक्रियाओं को पूरा किया जो नामांकन के दौरान होती हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी और एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने नामांकन कक्षों समेत पूरे कलेक्ट्रेट परिसर और शास्त्री चौराहे से कचहरी चौराहे तक का निरीक्षण कर तैयारियां जांची। नामांकन के दौरान यह मार्ग बंद रहेगा। इससे सिर्फ प्रशासन एवं पुलिस के अफसरों की ही गाड़ियां गुजर सकेंगी। सुरक्षा के कड़े इंतजाम, सिर्फ प्रत्याशी, प्रस्तावक को प्रवेश नामांकन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर एवं उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। बड़ी संख्या में फोर्स तैनात की गई है। कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट से लेकर नामांकन कक्ष के बाहर व भीतर जगह–जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। नामांकन प्रक्रिया की वीडियो रिकार्डिंग भी कराई जाएगी। नामांकन सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक होगा। इस दौरान कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार से सिर्फ प्रत्याशियों व उनके प्रस्तावकों के अलावा प्रशासनिक व पुलिस के अफसरों–कर्मचारियों को प्रवेश दिया जाएगा। अधिवक्ताओं को तहसील गेट और सेंट एंड्रयूज डिग्री कॉलेज के ठीक सामने वाले कलेक्ट्रेट गेट से प्रवेश मिलेगा। नामांकन करने की आखिरी तारीख 11 फरवरी है। प्रत्याशियों के नाम वापसी व प्रतीक चिह्न (सिंबल) का वितरण 16 फरवरी को होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि राष्ट्रीय एवं राज्य के मान्यता प्राप्त दलों के प्रत्याशियों को एक प्रस्तावक के साथ कलेक्ट्रेट में प्रवेश मिलेगा, जबकि अन्य (निर्दल) प्रत्याशी, नामांकन दाखिल करने के लिए 10 प्रस्तावक साथ ले जा सकेंगे। नामांकन के दौरान भी करा सकेंगे संपत्ति की रजिस्ट्री नामांकन के दौरान भी कलेक्ट्रेट स्थित रजिस्ट्री दफ्तर में संपत्ति आदि की रजिस्ट्री का काम जारी रहेगा। इसके लिए कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट से रजिस्ट्री कार्यालय तक बैरिकेडिंग कर एक गलियारा बनाया गया है। रजिस्ट्री कराने आने वालों को इसी गलियारे से होकर गुजारा जाएगा। मुख्यमंत्री की सुरक्षा टीम ने लिया जायजा मुख्यमंत्री के नामांकन के मद्देनजर बृहस्पतिवार को उनकी सुरक्षा टीम ने कलेक्ट्रेट का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजाम जांचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को नामांकन के लिए सुबह कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचेंगे। उनका नामांकन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के न्यायालय कक्ष (कक्ष संख्या 24) में होगा। गोरखपुर शहर विधानसभा के आरओ/एसडीएम सदर कुलदीप मीणा उनका नामांकन फार्म प्राप्त करेंगे। एटीएस के सुरक्षा घेरे में होगा नामांकन गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नामांकन के दौरान आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) का सुरक्षा घेरा रहेगा। नामांकन के दौरान गृहमंत्री अमित शाह भी रहेंगे। लिहाजा, सुरक्षा सख्त होगी। कलेक्ट्रेट के आसपास की ऊंची इमारतों पर पुलिस तैनात रहेगी। सीसीटीवी कैमरों के साथ ही ड्रोन की मदद से निगरानी की जाएगी। बृहस्पतिवार को ही एटीएस के 24 कमांडो गोरखपुर आ गए हैं। सुरक्षा में चार एसपी, आठ सीओ, 60 दरोगा, 180 सिपाही, दो कंपनी पीएसी लगाई गई है। एसपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि सभी पुलिसकर्मियों को ड्यूटी बता दी गई है। ऊंची इमारतों पर भी सुरक्षा रहेगी। जिले की कई सीटों पर प्रत्याशी तय नहीं गोरखपुर में नामांकन प्रक्रिया कल से शुरू हो जाएगी, लेकिन गोरखपुर की कई सीटों के प्रत्याशियों के नाम का एलान नहीं हो सका है। भाजपा ने गोरखपुर ग्रामीण से प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। इसी तरह समाजवादी पार्टी ने गोरखपुर शहर और चौरीचौरा से प्रत्याशी के नाम का एलान नहीं किया है। कांग्रेस ने गोरखपुर शहर, सहजनवां, चिल्लूपार, कैंपियरगंज, गोरखपुर ग्रामीण, चौरीचौरा और बांसगांव के प्रत्याशी अभी तक तय नहीं किए हैं। बसपा ने सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए हैं। यहां, इस विधानसभा के लिए होगा नामांकन कैंपियरगंज : न्यायालय अपर जिलाधिकारी भू राजस्व, कक्ष संख्या 22 पिपराईच : न्यायालय बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी प्रशासन, कक्ष संख्या 02 गोरखपुर शहर : न्यायालय अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, कक्ष संख्या 24 गोरखपुर ग्रामीण : न्यायालय उप संचालक चकबंदी, कक्ष संख्या 23 सहजनवां : न्यायालय अपर जिलाधिकारी प्रशासन, कक्ष संख्या 15 खजनी : न्यायालय जिलाधिकारी, कक्ष संख्या 01 चौरीचौरा : न्यायालय बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी न्यायिक, कक्ष संख्या 03 बांसगांव : न्यायालय चकबंदी अधिकारी रुस्तमपुर, कक्ष संख्या 04 चिल्लूपार : न्यायालय अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम, कक्ष संख्या 27।

सड़क हादसे में वरिष्ठ नेत्र सर्जन डा. संतोष की मौत व तीन लोग घायल : क्षेत्र में पसरा सन्नाटा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या रेंज के सुल्तापुर जिले के कूडेभ्भार थाना क्षेत्र में हुई सड़क हादसे में वरिष्ठ नेत्र सर्जन डाक्टर संतोष की दर्दनाक मौत हो गई।वहीं इस हादसे तीन अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये।सूत्र के मुताबिक बहन की शादी से पहले ही वरिष्ठ नेत्र सर्जन डाक्टर संतोष की सड़क हादसे में मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है।सूत्र के मुताबिक यह घटना अयोध्या रेंज के सुल्तानपुर जिले के थाना क्षेत्र कूरेभार के समीप इलाहाबाद से अयोध्या प्रयागराज राष्ट्रीय राज मार्ग पर स्थित कूरेभार ब्लाक मोड़ पर अलसुबह मवेशी लदी पिकप और स्कार्पियो वाहन की भीषण टक्कर में दोनों पलट गये।जिसके कारण स्कार्पियो वाहन पर सवार चार लोगो में से एक लोग की घटना स्थल पर ही मौत होने से परिजनों में कोहराम मच गया है।वही स्कार्पियो सवार अन्य तीन लोगो को गम्भीर चोटे होने के कारण जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जहा घायलो की हालत नाजुक बनी हुयी है।इसके साथ ही सूचना पर पहुची कूरेभार पुलिस से पिकप वाहन पर सवार दो लोगो को हिरासत में ले लिया।इस सड़क हादसे की सूचना पर क्षेत्र के लोगो का हुजूम उमड़ पड़ा।उधर जब मृतक डा सन्तोष का शव जब उनके गांव पहुचा तो पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी।मिली जानकारी के मुताबिक कूरेभार क्षेत्र में हुयी भीषण सड़क दुर्घटना में पड़ोसी जनपद फैजबाद के ग्रामसभा परसीपुर–साल्हीपुर, चौरेबाजार, कोतवाली बीकापुर निवासी वरिष्ठ समाज सेवी व विख्यात नेत्र चिकित्सक डा सन्तोष शर्मा (35) पुत्र बेचू लाल शर्मा हमेशा की तरह बीएचयू बनारस से प्रत्येक रविवार को चौरेबाजार से कनावा मार्ग पर स्थित पु जगदम्बा प्रसाद आई निजी हास्पिटल में निःशुल्क मरीजो का इलाज करने के लिये आया करते थे।जिसके कारण रविवार को आज सुबह बनारस से चौरेबाजार अपने अस्पताल पर जा रहे थे कि रास्ते में कूरेभार के ब्लाक मोड़ पर मवेशीयो को लादकर फैजाबाद की तरफ जा रही पिकप वाहन संख्या यूपी 36 टी 0517 ने अचानक ब्रेक लगा दिया।जिसके चलते पीछे से आ रही स्कार्पियो वाहन संख्या यूपी 65 बीक्यू 2233 पिकप वाहन से टकरा कर कूरेभार पशु अस्पताल की बाउंड्री वाल में घुस कर पलट गयी।इस स्कार्पियो में सवार विख्यात वरिष्ठ नेत्र सर्जन डा सन्तोष शर्मा (35) वर्षीय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी।इसके साथ ही इस वाहन में बैठे

गम्भीर रूप से घायल अशोक त्रिपाठी (38), डा राजीव सिंह (40), आलोक कुमार त्रिपाठी (36) वर्ष सभी निवासी बनारस के बताये गये है।इन तीनो लोगो को 108 एम्बुलेंस के द्वारा जिला अस्पताल सुल्तानपुर में भर्ती कराया गया है।जहां डाक्टरों के अनुसार घायलो की हालत गम्भीर बतायी जा रही है।स्कार्पियो सवार डा राजीव सिंह की स्थित अति नाजुक होने के कारण जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर कर दिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी 24 फरवरी को मृतक नेत्र सर्जन डा सन्तोष शर्मा की बहन डा दुर्गेश शर्मा उर्फ गुड़िया की शादी होने वाली है।जिसके लिये कानपुर के एक गेस्ट हाऊस में बहन की विवाह को लेकर तैयारिया भी पूरे जोर पर चल रही थी।परन्तु अब बहनो को क्या पता था कि उसके विवाह की डोली उठने से पहले भी भाई की अर्थी उसे देखना पड़ेगा।मृतक डा सन्तोष शर्मा व चौरे बाजार फैजाबाद क्षेत्र के काफी विख्यात चिकित्सको में से माने जाते सख्शियत में से एक थे। इस घटना की सूचना पाकर मृतक डा सन्तोष शर्मा की पत्नी किरन शर्मा तो रो–रो कर बदहवास हो गयी है। वही तीन बच्चों में मन्नत (8), पीहू (6) व एक डेढ़ वर्षीय पुत्र के सर से पिता का साया छिन गया है। सड़क हादसे की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गयी।इस दौरान मृतक डा के भाई डा मनोज शर्मा जो कि कानपुर में निजी क्लीनिक चलाते है और भाजपा नेता नान्हू शर्मा को इस हादसे की सूचना मिलते ही अचम्भित होकर बेसुध हो गये।इस सड़क हादसे को लेकर डा सन्तोष शर्मा के पैतृक निवास पर हजारो लोगो का हुजूम उमड़ पड़ा और दिनभर पीड़ित परिवार को सांत्वना देने वालो व भाजपा नेताओ का ताता गला हुआ है। इस घटना से पूरा क्षेत्र शोक में व्यक्त किया।

गोशाईगंज विधानसभा से सपा प्रत्याशी अभय सिंह नें नामांकन कर लगाया प्रशासन पर आरोप

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के गोशाईगंज विधानसभा से सपा प्रत्याशी व पूर्व विधायक अभय सिंह ने कोविड नियम का पालन करते हुये नामांकन फार्म भरा।इसके बाद सपा प्रत्याशी व पूर्व विधायक अभय सिंह ने कहा कि गोसाईगंज की जनता समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी है।वही भाजपा के साथ अधिकारी व कर्मचारी विधानसभा चुनाव लड़ रहे है।उन्होंने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाया कि भाजपा की इशारे पर पुलिस सपा समर्थकों की गाड़ी पुलिस सीज कर रही है।उन्होंने कहा कि इस समय जहाँ एक ओर भाजपा प्रत्याशी तीस गाड़ियों के साथ चल रही है।उन्हें कोई रोक–टोक नहीं है।इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी को सत्ता का समर्थन मिल रहा है।वही बाहरी अपराधी गोसाईगंज विधानसभा में पहुंचकर कर प्रचार कर रहे है।पुलिस उनके वाहनों को नहीं कर सर्च कर रही है।उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी आरती तिवारी के पति खब्बू तिवारी बहुत ही चालाक और होशियार है।जहाँ एक ओर सन 2000 में प्राणों की भीख मांग कर जिला

पंचायत सदस्य का चुनाव जीते थे वही 2017 में शादी करने के नाम पर चुनाव जीते।अब पत्नी के सहारे चुनाव लड़ रहे है।हो सकता है अगली बार बेटे के लिए चुनाव लड़।इस मौके पर उन्होंने कहा कि पिछले पाँच साल में भाजपा ने गोसाईगंज में कोई विकास कार्य नहीं किया।

पहले चरण की 58 सीटों पर क्या है दलितों का मन?

मेरठ ब्यूरो : दलित मतदाता खामोशी के साथ सियासत के हर दांव पेंच पर, नेताओं के भाषणों पर निगाह लगाए है। उसे हाथी की चाल पर भरोसा है तो वह किसान आंदोलन के बाद बदली हवा का रुख भी भांप रहा है। पश्चिम में कानून व्यवस्था और मुफ्त राशन वितरण से लेकर महंगाई जैसे मुद्दों की कसौटी पर भी वह दलों को तौल रहा है। दलितों का मन 10 फरवरी को पहले चरण में 11 जिलों की 58 सीटों पर नतीजों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। नेताओं के बीच तीखी भाषा में वार–पलटवार का तूफान चरम पर है। भाजपा और सपा–रालोद गठबंधन के बाद अब बसपा सुप्रीमो मायावती भी एक्शन में हैं। भाजपा और सपा–रालोद गठबंधन नेताओं के दावे हैं कि इस बार चुनावों में दलित वोटों का बंटवारा हो जाएगा और बड़ा हिस्सा उन्हें ही मिलेगा। दलित नेता चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी भी दलित मतदाताओं पर दावा ठोक रही है। वहीं बसपा नेताओं के दावे हैं कि उनके बेस वोट बैंक में कोई सेंध नहीं लगा पाएगा। राजनीतिक दलों के इस चक्रव्यूह पर दलित मतदाताओं का अपना नजरिया है। मेरठ शहर सीट के औरंगशाहपुर डिग्गी गांव में परचून की दुकान चलाने वाले सुनील कहते हैं कि पांच साल में सरकारी नौकरियां खत्म हो गईं, जिससे आरक्षण की अहमियत नहीं रही। वह कहते हैं कि कानून व्यवस्था सिर्फ कागजों में सुधरी है, हर रोज अपराध हो रहे हैं। सुनील को लगता है कि चंद्रशेखर आजाद युवाओं की आवाज बने हैं पर वह सत्ता में आने की स्थिति में नहीं हैं। उन्हें इस समय किसान आंदोलन ही बड़ा मुद्दा लगता है। अजंता कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय हर्ष कर्दम को सरकारी नौकरी का इंतजार है। वह कहते हैं कि गरीबों को मुफ्त राशन मिला, लेकिन गैस का सिलिंडर एवं अन्य जरूरी चीजें महंगी हो गईं। दूसरे हाथ से दलितों के आरक्षण पर हमला हुआ। वहीं मेरठ दक्षिण सीट के शेरगढ़ी गांव के बाहर पंक्चर की दुकान चलाने वाले आनंद कहते हैं कि कानून व्यवस्था तो बेहतर हुई है पर महंगाई बढ़ी है। शेरगढ़ी के ही सुदेश को लगता है कि दलितों के लिए समाज में बराबरी और आरक्षण का सवाल बड़ा है। वह कहते हैं कि इस पर लगातार हमले हुए हैं। सरायकाजी निवासी राहुल कहते हैं कि बसपा सरकार में कानून व्यवस्था सबसे अच्छी रही। शहर सीट के अंतर्गत आने वाले जाटव गेट निवासी शेखर को लगता है कि पेंशन और रोजगार सबसे बड़े सवाल हैं। दलितों की समस्याओं का समाधान डॉ. आंबेडकर की नीतियों से ही हो सकता है। किठौर के मनोज पेंटर कहते हैं कि मुफ्त राशन के बजाय सरकार को लोगों को रोजगार देना चाहिए था। वह कहते हैं कि महंगाई चरम पर है। किसानों का मुद्दा बड़ा है, लेकिन कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। शाहजहांपुर कस्बे के परमाचंद कहते हैं कि मुफ्त राशन वितरण तो अच्छा है पर नौकरियां भी मिलनी चाहिए थीं। उन्हें लगता है कि कानून व्यवस्था सुधरी है। बढ़ते बेरोजगारी का सवाल मुजफ्फरनगर के खतौली निवासी आकाश कहते हैं कि महंगाई से परेशान हैं। कानून व्यवस्था सुधरी है पर बेरोजगारी बढ़ी है। मुजफ्फरनगर शहर के रैदासपुरी निवासी अनिल कुमार कहते हैं कि उनके लिए विकास बड़ा मुद्दा है। कृष्णापुरी निवासी दिलीप कुमार को लगता है कि बेरोजगारी बड़ा मुद्दा है। वह कहते हैं कि गरीब लोगों को राशन के साथ रोजगार भी मिलना चाहिए। आर्यपुरी निवासी परविंद्र का कहना है कि विकास के मुद्दे पर लोगों को मतदान करना चाहिए। शहर का विकास जरूरी है। मुफ्त राशन से राहत पर महंगाई से नाराजगी बागपत के जैन मोहल्ले में रहने वाले 33 वर्षीय अशोक को लगता है कि पांच साल में कानून व्यवस्था बेहतर हुई है। अब दंगे नहीं होते और अपराधी जेल में गए हैं। सिसाना रोड निवासी 45 वर्षीय गृहिणी ममता कहती हैं कि कोरोना के समय में मिले राशन से परिवार को बड़ी राहत मिली है। बड़ौत निवासी 72 वर्षीय शीशराम मुफ्त राशन वितरण की तारीफ करते हैं पर महंगाई से नाराज हैं।

मौनी आमावस्या पर्व को सकुशल पूर्वक सम्पन्न कराने पर एसपी माघ मेला प्रभारी प्रयागराज डाक्टर मिश्र व उनकी टीम की अधिकारियों ने की प्रशंसा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ) कुशल अनुभवी व माघ मेला प्रयागराज प्रभारी एसपी डाक्टर राजीव नाराज मिश्र ने गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने पुलिस टीम के साथ प्रयागराज में आयोजित माघ मेला में मौनी आमावस्या स्नान पर्व को सकुशल पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराया।इस सराहनीय कार्य में उनके नेतृत्व में उनकी पुलिस टीम की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।जिसके चलते उनके उच्चाधिकारियो ने माघ मेला प्रयागराज प्रभारी एसपी डाक्टर आर एन मिश्र व उनकी टीम की भूरि भूरि प्रशंसा किया।वही इस संबंध में डीकेयू- एनबीसी चौनल ब्यूरो चीफ राजेश श्रीवास्तव से दूरभाष पर प्रभारी एसपी माघ मेला प्रयागराज डाक्टर राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि गत वर्ष माघ मेला की तरह इस वर्ष भी माघ मेला में सबसे प्रमुख स्नान पर्व मौनी आमावस्या पर भीड़ तो ऐसे उमड़ी जैसे कोई कुम्भ का स्नान पर्व हो।उन्होने बताया कि इस बार मौनी आमावस्या पर उमड़ा हुआ जनसैलाब कुम्भ या अर्धकुम्भ की याद दिला गया।लाखों–लाख नही करोडों स्नानर्थियों का जनसैलाब संगम नगरी मे उमड़ पडा।पुलिस प्रशासन को जैसे पहले से ही आभास था कि भीड़ अनुमान से बढ़ कर आयेगी और ऐसा ही हुआ।उनके मुताबिक पिछले वर्ष की तरह इस बार भी पुलिस प्रशासन कठिन परीक्षा में पास हुई।' वही स्नानर्थियोंश्रध्दालुओं का तो रविवार के दिन से ही आना प्रारम्भ हो गया था,सोमवार तक तो माघ मेला मे चारों तरफ केवल जनसैलाब ही दिखाई दे रहा था।लोग देश के कोने कोने से तम्बुओं की नगरी पॅहुचकर मौनी आमावस्या के शुभ मुहूर्त पर मध्य रात्रि से ही संगम व अन्य 22 घाटों पर पुण्य की डुबकी लगाते रहे।वही मौनी आमावस्या के स्नान पर्व पर उमड़ हुये अभूतपूर्व जनसमुदाय के सहयोग व सुरक्षा के लिये सभी घाटों के अतिरिक्त पॉण्टून पुलों,मेला प्रवेश द्वार,निकास द्वार एंव पार्किंग स्थल पर मेला पुलिस का सहयोग सराहनीय था।मेला क्षेत्र मे श्रध्

दालुओं की सुरक्षा मे लगे सभी इकाईयों का मेला को सकुशल सम्पन्न कराने मे अपनी भूमिका महत्वपूर्ण थी।वही मौनी आमावस्या के स्नान पर्व पर चप्पे चप्पे पर श्रध्दालुओं की मदद व भीड़ नियंत्रण करने के लिये मेला पुलिस का योगदान अविस्मरनीय था।इस संबंध मे जैसे लगा कि तेज तर्रार व अनुभवी पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र को जैसे पहले से ही अनुमान हो गया था कि भीड़ अनुमान से अधिक आयेगी और पुलिस अधीक्षक माघ मेला ने माघ मेला पुलिस की सभी इकाईयों को जनमानस की सुरक्षा और सहयोग के लिये ऐसे प्रशिक्षित कर रखा था कि भीड़ नियंत्रण व स्नानर्थियों की सुरक्षा व सहयोग मे को कोइ दिक्कत न होने पाये।स्नानार्थी/श्रध्दालु स्नान के उपरान्त मेला का लुफ्त उठाते हुये अपने गन्तव्य को सकुशल वापस जाये।इनके द्वारा किये गये सराहनीय कार्य को देखते हुये व मौनी आमावस्या का स्नान सकुशल सम्पन्न होने पर आला अधिकारियों ने माघ मेला प्रयागराज प्रभारी एसपी डा0 मिश्र व उनकी पुलिस टीम को बधाई देते हुये उनके प्रति आभार प्रकट किया गया।वही पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक संगम प्रमोद कुमार यादव व अपर पुलिस अधीक्षक झूंसी मो0 तारिक तथा समस्त क्षेत्राधिकारियों/थाना प्रभारियों अन्य इकाई प्रभारियों तथा समस्त कर्मचारियों को मौनी आमावस्या का महापर्व सकुशल व निर्विघ्न सम्पन्न कराये जाने पर बधाई देते हुये भूरि–भूरि प्रशंसा की।

गोरखपुर में राजस्थान के अफसर रखेंगे चुनावी खर्च पर नजर : इनकी निगरानी में होगा चुनाव

गोरखपुर ब्यूरो : राजस्थान के अफसर गोरखपुर में चुनावी खर्च पर नजर रखेंगे। जिले की नौ विधानसभा में पार्टी व प्रत्याशियों के खर्च की निगरानी के लिए निर्वाचन आयोग ने यहां तीन व्यय प्रेक्षक तैनात किए हैं। प्रत्येक को दो से चार विधानसभा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फिलहाल, ये व्यय प्रेक्षक वर्चुअली ही चुनावी खर्च पर नजर रखेंगे। उनकी सहायता के लिए मुख्य कोषाधिकारी के नेतृत्व में स्थानीय अफसरों की टीम लगाई गई है। शुक्रवार को व्यय प्रेक्षकों ने इन अफसरों की वर्चुअल बैठक बुलाई है। नामांकन के आखिरी दिन 11 फरवरी तक तीनों व्यय प्रेक्षक गोरखपुर आ जाएंगे। जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, तीनों व्यय प्रेक्षक राजस्थान के हैं। जिले की कैंपियरगंज, पिपराइच, गोरखपुर शहर और ग्रामीण विधानसभा की निगरानी के लिए व्यय प्रेक्षक प्रदीप शौर्य आर्य, बांसगांव, चिल्लूपार और चौरीचौरा के लिए जे. प्रेमानंद और सहजनवां व खजनी के लिए अभिमन्यु सिंह यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधानसभा चुनाव 2022 के लिए जिले में कुल 12 प्रेक्षक तैनात किए गए हैं। इनमें सभी नौ विधानसभाओं में एक–एक सामान्य प्रेक्षक होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम विजय किरन आनंद ने बताया कि 11 फरवरी तक सभी प्रेक्षक आ जाएंगे। इनके अलावा एक स्वीप प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं। इनका काम मतदाता जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों की निगरानी करना है। अधिकतम 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकेगा हर प्रत्याशी नामांकन के साथ ही संबंधित प्रत्याशियों के खातों में चुनावी खर्च जुड़ने लगेगा। व्यय प्रेक्षकों का काम इन खर्चों की निगरानी करना और रिपोर्ट बनाना है। चुनाव में प्रत्येक प्रत्याशी अधिकतम 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकेगा। सभी प्रत्याशियों को अपने खर्च का हिसाब रखने के लिए एक रजिस्टर बनाना होगा और नामांकन के दिन से रोजाना के खर्चों का ब्यौरा व्यय प्रेक्षक को देना होगा।

नफरत फैलाने वालों से पूछो किस दुकान में मिलता है हिंदू–मुसलमान का खून : सलमान खुर्शीद

अलीगढ़ ब्यूरो : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने बृहस्पतिवार देर शाम ऊपरकोट टीले पर आयोजित सभा में कहा कि जो लोग कहते हैं कि हिंदू और मुसलमान के रास्ते अलग हैं। उन नफरत फैलाने वालों से पूछो कि अलीगढ़ के किस बाजार में कोई दुकान है, जहां हिंदू और मुसलमान के खून की बोतल बिकती हो। उन्होंने कहा मेरा जन्म अलीगढ़ में एएमयू कुलपति के घर का है। मेरा बचपन यहां बीता है। किसी के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है, जो सीएए–एनआरसी के दौरान तुम्हारे साथ सीना ठोककर खड़ा था, आज उसे मजबूत करने की जरूरत है। सलमान खुर्शीद ने ये बातें कांग्रेस के शहर प्रत्याशी मो. सलमान इम्तियाज के समर्थन में आयोजित सभा में कहीं। उन्होंने कहा कि मैं फर्रुखाबाद की बात बता रहा हूं। जहां गंगा बहती है। उसके किनारे पर सुबह एक तरफ हिंदू भाई स्नान कर खुद को पवित्र करते हैं तो दूसरी ओर मुस्लिम भाई नमाज जाने के लिए वजू करते हैं। उस गंगा मां के पानी में कहीं हिंदू मुसलमान नहीं लिखा। उस गंगा में ये भी नहीं लिखा कि वह किसकी मां है। वह हम सबकी मां है। हमारे खेतों को सींचती है। उसी खेत से अनाज उगता है। उस अनाज के आटे की हम रोटी खाते हैं और उससे हमारी रगों में खून दौड़ता है। न अनाज में, न रोटी में और न खून में कहीं हिंदू मुसलमान लिखा होता है। फिर ये बातें क्यों। उन्होंने कहा कि मैं आज अपने अपने हमनाम अपने छोटे भाई के लिए अलीगढ़ आकर आप लोगों से वोटों की गुजारिश करने आया हूं और बड़ा फक्र मानता हूं। ये स्थान बहुत इज्जत का मुकाम है। क्योंकि इस्लाम की तारीख जो जानता है, वो बता सकता है कि टीले से इस्लाम का क्या रिश्ता है। तारीख में इस्लाम की पैदाइश एक टीले से हुई थी और इस्लाम इंसानियत का पैगाम है। इस देश की खुशकिस्मती देखिये इस्लाम इंसानियत का पैगाम है, इंसानियत एक दूसरे की मदद करने का पैगाम है। हिंदू धर्म जिसे सनातन धर्म कहते हैं, वह भी सम्मान है इंसानियत का। हम उसी इंसानियत के नाम पर वोट मांग रहे हैं। गंगा जमुनी तहजीब के नाम वोट मांग रहे हैं। इशारों–इशारों में किया सीएए–एनआरसी पर तंज उन्होंने इशारों इशारों में सीएए–एनआरसी पर तंज कसते हुए कहा कि यहां हमारे छोटे भाई खड़े हैं। इनके सामने एक सवाल खड़ा किया था हुकूमत ने। सवाल था कि तुम कौन हो? किसी इंसान से कोई ये पूछे कि तुम क्या अपनी मां की औलाद हो? हिंदुस्तान तुम्हारी मां है इसका सुबूत दो। मां की औलाद अपने दिल से सबूत देती है कागज के टुकड़ों पर नहीं। जब यह सवाल पूछा गया तो (सलमा इम्तियाज की ओर इशारा करते हुए) आपका ये शेर, आपके टीले का शेर निकला यह कहते हुए कि मैं आपको सुबूत दूंगा। उससे पहले आपसे सुबूत मांगूंगा कि तुम्हारी मां कौन है ये बताओ? इम्तियाज के इस कदम पर ऐसी दहशत में आए वो लोग और इनसे कह दिया कि अलीगढ़ से बाहर कर देते हैं। मगर इन्होंने कानून का सहारा लिया और आज देखिये ये आपके सामने खड़े हैं। इस दौरान एएमयू को लेकर उन्होंने कहा कि एएमयू यहां से दूर नहीं है। वहां चुनावी गणित लगाए जा रहे होंगे। मगर किसी हिसाब में पड़ने के बजाय, किसी को तोलते हुए ये मत कहना कि कौन भारी है। सवाल यह करना कि आप कंधों पर किसका बोझ उठा सकते हो। खुद को अलीगढ़ी बताकर मांगा वोट अंत में उन्होंने खुद को अलीगढ़ बताकर वोट मांगा। कहा कि जो लोग कहते हैं कि कांग्रेस जमीन पर कहां है, उनको जवाब दे दिया है कि हम जमीन पर हैं। आपके मजबूत सिपाही के लिए वोट मांगने आया हूं। मंच से बार–बार सलमान को वोट मांगे जा रहे हैं। मुझे लग रहा है कि मेरे लिए मांगे जा रहे हैं। अलीगढ़ भी मेरा घर है। इसलिए ध्यान रखें। सपा बसपा छोड़कर आए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि अभी जो लोग रह गए हैं, वे भी आ जाएं। ये हाथ नहीं हुआ तो साइकिल भी नहीं चल पाएगी। इस मौके पर कांग्रेस नेता रूही जुबैरी, आगा यूनुस आदि मौजूद रहे।

पटरंगा व दरियाबाद के बीच साबरमती एक्सप्रेस हुई हुई बेपटरी : कोई हताहत नही

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) लखनऊ वाराणसी रेल खण्ड पर गुरुवार की रात उस समय हड़कंप मच गया जब शाम नौ बजकर पैतिस मिनट पर साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन का इंजन दरियाबाद

व पटरंगा के बीच डीरेल हो गया।जिससे जहाँ एक ओर रेल यात्रियो व रेल कर्मियो में हड़कंप मच गया।वही दूसरी ओर इस घटना से इस क्षेत्र में भी हड़कंप मच गया।रेल कर्मियों के मुताबिक अयोध्या से लखनऊ की ओर जा रही साबरमती एक्सप्रेस पटरंगा रेलवे स्टेशन से लगभग एक किलोमीटर पश्चिम गेट नम्बर 125 के पास पटरंगा व दरियाबाद रेलवे स्टेशन के बीच में भवरिहा नाला के पुल के समीप ट्रेन बेपटरी हो गई।वही रेल चालक की सूझबूझ के चलते एक बड़ा हादसा होने से बच गया।वही ट्रेन चालक ने इस घटना की सूचना पटरंगा रेलवे स्टेशन मास्टर सहित अन्य उच्च अधिकारियों को दी।इस घटना की सूचना मिलते ही स्टेशन मास्टर अपनी टीम के साथ फौरन घटना स्थल पर पहुंच कर मौके का जायजा लेने के बाद राहत की सांस ली और उच्च अधिकारियों को घटना के बारे में अवगत कराया।इस घटना में कोई जन हानि नहीं हुई है।वही इस घटना की जानकारी होने पर पटरंगा थाना प्रभारी विवेक सिंह भी अपनी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए हैं।वही इस संबंध में पटरंगा स्टेशन मास्टर वीके सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन अयोध्या से लखनऊ की ओर जा रही थीं कि गेट नम्बर125 के पास बेपटरी हो गई।वही चालक की सूचना पर वे स्वयं अपनी टीम के साथ मौके पर गये।

अलीगढ़ में प्रधानमंत्री मोदी की वर्चुअल रैली आज

अलीगढ़ ब्यूरो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वर्चुअल रैली करेंगे। शहर के आठ मंडल सहित जनपद में कुल 35 मंडलों में इसका आयोजन किया जा रहा है। किसी एक स्थान पर प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील बंसल मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम स्थल पर एलईडी, कुर्सी और जनरेटर के साथ ही झंडा, बैनर, पोस्टर आदि लगाए जाएंगे। वर्चुअल रैली को लेकर महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष विवेक सारस्वत ने विभिन्न प्रकोष्ठ एवं मोर्चों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि यह चुनाव पिछले सब चुनावों से अलग हैं। प्रधानमंत्री के समय में डिजिटल टेक्नोलॉजी का व्यापक प्रचार हुआ है। हर अब काम डिजिटल के माध्यम से हो रहा है। इस लिए शहर एवं कोल विधानसभा क्षेत्र के सभी आठों मंडलों में रैली का आयोजन किया जा रहा है। कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए अधिक से अधिक संख्या में जनता उपस्थित रहेगी। रैली में किसी एक स्थान पर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील बंसल भी उपस्थित रहेंगे। जिलाध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह ने बताया कि महानगर के 8 मंडलों के अतिरिक्त जिले के 27 मंडलों में वर्चुअल रैली का आयोजन किया जा रहा है। व्यापक स्तर पर तैयारी हो रही है। शहर में यहां पर हैं वर्चुअल रैली के इंतजाम सिविल लाइंस मंडल में रामलीला ग्राउंड भमोला, विष्णुपुरी मंडल में श्री राम बैक्वेट हॉल रावण टीला, क्वार्सी मंडल में मॉडर्न कान्वेंट स्कूल गली न. 2, मडराक मंडल में राधा माधव लॉज आसना अजितपुर, गांधी नगर मंडल में अनंत पैलेस भोलू भट्ठा भदेसी रोड, जयगंज मंडल में सीयल मंदिर, महावीरगंज मंडल में सराय काबा सब्जी मंडी, रघुवीरपुरी मंडल में बौहरे जी पैलेस। आज आएंगे सुनील बंसल भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील बंसल शुक्रवार को पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विधानसभा चुनाव की रणनीति तैयार करेंगे और जरूरी निर्देश देंगे। रामघाट रोड स्थित उत्सव गार्डन में शाम में बैठक प्रस्तावित है। भाजपा ने दिया जाट समाज को सम्मान : सतीश पूनिया राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष सतीश पूनिया बृहस्पतिवार को अलीगढ़ शहर में पहुंच गए हैं। खैर विधानसभा क्षेत्र के टप्पल में आयोजित मतदाता संवाद कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भाजपा ने जाट समाज के सम्मान को सर्वोपरि रखा है। मुझ जैसे कार्यकर्ता को एक प्रदेश का अध्यक्ष बनाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा गरीब व मजदूरों के उत्थान का प्रयास किया है। कोरोना काल में कोई भूखा न सोए, इसकी चिंता योगी आदित्यनाथ की सरकार ने की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल कल आएंगे अलीगढ़ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल शनिवार को अलीगढ़ आ रहे हैं। भाजपा के महानगर अध्यक्ष विवेक सारस्वत ने बताया कि केंद्रीय मंत्री शनिवार को आएंगे और सभा को संबोधित करेंगे।

सम्पादक मंडल

पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋद्धिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी

प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक "देश की उपासना"

पता–ई 3464,राजाजी पुरम(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0

लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मो0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से मे0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक

श्रीमती हेमा त्रिपाठी

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही

समाचार-पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।